राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

समाचार गेट

वर्ष :1, अंक : 89, पेज 8, मूल्य 1 रुपए शुक्रवार 14 जून 2024 TITLE CODE: HARHIN11569

महाराष्ट्र में अजित पवार के साथ रिश्ता खत्म कर सकती है बीजेपी, RSS भी जता चुका है नाराजगी

महाराष्ट्रः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ संबंध तोड़ सकती है। एक रिपोर्ट की मानें तो बीजेपी आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ मिलकर लड़ सकती है। अजित पवार ने जहां एक ओर 80 सीटों की मांग की है तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपा का बड़ा गुट अजित को महायुति में रखने का पक्षधर नहीं है। यह बात तब सामने आई है जब आरएसएस के मुखपत्र में एक लेख में कहा गया था कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ गठबंधन महाराष्ट्र में भाजपा की लोकसभा चुनाव में हार का एक कारण था। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव 2024 में विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने महाराष्ट्र की 48 में से 30 सीटें जीतीं। एनडीए का हिस्सा सत्तारूढ़ महायुति को सिर्फ 17 सीटें मिलीं। 2019 में एनडीए ने महाराष्ट्र की 48 में से 43 सीटें जीती थीं, जबकि तत्कालीन यूपीए ने शेष पांच सीटें हासिल की थीं। यद्यपि मतदाताओं ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में अलग-अलग तरीके से चुनाव किया, लेकिन लोकसभा चुनाव के परिणाम का इन दोनों राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों पर असर पड़ेगा। एक रिपोर्ट में एक वरिष्ठ भाजपा नेता के हवाले से कहा गया है, "आरएसएस-भाजपा कार्यकताओं को पवार विरोधी नारे पर तैयार किया जा रहा है। सिंचाई और महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक घोटालों से जुड़े होने के कारण वे अजित पवार के विरोधी हैं।

पहली कैबिनेट में पी.एम. मोदी ने बंद लिफाफों में मंत्रियों को दी गई उनके विभागों की सूचना

पी.एम.नरेंद्र मोदी की सियासत अंदाज ही अलग है। वह इस तरह की सियासत के माहिर है कि कुछ भी करें लेकिन दाएं हाथ की खबर बायें हाथ को समय आने पर ही पता चलती है। वह अपनी सरकार के फैसलों में बाहरी दखल को बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं।

नई दिल्ली : पी.एम.नरेंद्र मोदी की सियासत अंदाज ही अलग है। वह इस तरह की सियासत के माहिर है कि कुछ भी करें लेकिन दाएं हाथ की खबर बायें हाथ को समय आने पर ही पता चलती है। वह अपनी सरकार के फैसलों में बाहरी दखल को बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बार उन्होंने नई कैबिनेट के बीच विभागों के बंटवारे को गुप्त रखने के लिए नया रास्ता अपनाया गया। मंत्रियों को जब पहली कैबिनेट मीटिंग के लिए बुलाया गया तब उन्हें लिफाफे थमाकर जानकारी दी गई कि उन्हें कौन सा विभाग मिला है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 कैबिनेट मंत्रियों को ही लिफाफे दिए गए जिनमें न केवल उनका अपना विभाग बताया गया था बल्कि उनके अधीनस्थ राज्य मंत्रियों के नाम भी लिखे थे। यही वजह है कि इस बार मीडिया में एक-एक करके मंत्रियों के विभागों की जानकारी सामने आ रही थी। जैसे-जैसे लिफाफे खुल रहे थे और मंत्री मीडिया को जानकारी दे रहे थे, वैसे-वैसे टेलीविजन चैनलों पर फ्लैश आ रहे थे।

2014 में लीक हो गई थी मंत्रालयों की सूचना

रिपोर्ट के मुताबिक पी.एम. नरेंद्र मोदी के पिछले दो कार्यकालों के दौरान राष्ट्रपति सचिवालय ने दोपहर तक सूचना जारी कर दी थी, लेकिन इस बार इंतजार लंबा था। दरअसल, 2014 में शपथ ग्रहण के दिन कई विभागों के बारे में जानकारी लीक हो गई थी। इसलिए इस बार कैबिनेट मीटिंग तक मीडिया को भी भनक तक नहीं लगी। नतीजतन, कैबिनेट मीटिंग समाप्त होने के बाद शाम 6.30 बजे के बाद टीवी स्क्रीन और वेबसाइटों पर नाम दिखाए जाने लगे। शाम 7:30 बजे मंत्रियों की अंतिम सूची जारी की गई। सरकार पर नजर रखने वालों का कहना है कि यह शायद पहली बार है जब मंत्रियों को उनके विभागों के बारे में कागज पर लिखकर लिफाफे में रखा गया हो। यानी मोदी सरकार ने इस बार रेकॉर्ड बना दिया।

मंत्रियों की अंतिम सूची शाम करीब 7.30 बजे सार्वजनिक की गई। उसी वक्त स्वतंत्र प्रभार वाले समेत राज्य मंत्रियों को उनके मंत्रालयों के बारे में पता चला।

फैजाबाद हारी भाजपा के लिए अब मिल्कीपुर सीट बनी प्रतिष्ठा का सवाल, अवधेश प्रसाद रहे हैं सपा से विधायक

अयोध्याः अवधेश प्रसाद के द्वारा खाली की गई सीट मिल्कीपुर में उपचुनाव होने हैं। फैजाबाद की हार के बाद यह सीट भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन चुकी है। दूसरी ओर चूंकि यह सीट सपा की है इसलिए सपा पर एक मनोवैज्ञानिक दबाव पहले से है। उपचुनाव के लिए जिले की मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा में कई दावेदार सामने आ गए हैं। इनमें पूर्व विधायक से लेकर जिला पंचायत सदस्य और ग्राम प्रधान तक शामिल हैं। पासी समाज से सबसे ज्यादा नाम सामने आए हैं। यदि सपा ने भी पासी समाज से उम्मीदवार उतारा तो किसी अन्य जाति के प्रत्याशी पर भी विचार किया जा सकता है। जिले की मिल्कीपुर सीट से विधायक रहे अवधेश प्रसाद के सांसद निर्वाचित होने के बाद यहां अब उपचुनाव होना है। सपा के वरिष्ठ नेता प्रसाद ने विधानसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। अब निर्वाचन आयोग को उपचुनाव की घोषणा करनी है। इसी के साथ लोकसभा चुनाव में हार का सामना करने वाली भाजपा में इस सीट पर एक बार कब्जा जमाने के मकसद से हलचल शुरू हो गई है। वैसे तो यहां से पूर्व विधायक रहे बाबा गोरखनाथ अपनी उम्मीदवारी तय मानकर चल रहे हैं। यह अलग बात है कि पार्टी ने अभी कुछ फाइनल नहीं किया है। वैसे भी गोरखनाथ को वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के अवधेश प्रसाद ने 12, 923 वोटों से पराजित किया था। इसके बाद हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भी गोरखनाथ पार्टी प्रत्याशी लल्लू सिंह को इस सीट पर नहीं जीता सके। भाजपा को यहां पर 7,733 मतों से हार का सामना करना पड़ा था। गोरखनाथ वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में 28,076 वोटों से जीतकर पहली बार विधायक चुने गए थे। इस बीच गोरखनाथ के अलावा टिकट के दावेदारों के रूप में जो नाम सामने आए हैं, उनमें पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी, नीरज कनौजिया, आरएसएस की पृष्ठभूमि से जुड़े रहे जिला महामंत्री काशीराम रावत, राधेश्याम त्यागी, चंद्रभानु पासवान, लक्ष्मी रावत और जिला पंचायत सदस्य बबलू पासी प्रमुख हैं। इसमें से कई पासी समाज से आते हैं। इस समाज से कई दावेदारों के चलते पार्टी के लिए एक नाम का चयन करना थोड़ा मुश्किल होगा। ऐसे में किसी अन्य बिरादरी से जुड़े चेहरे को भी आजमाया जा सकता है। फिलहाल संगठन ने सभी नामों पर विचार करते हुए

क्या संघ परिवार मुसलमानों से बदला ले रहा?

UP में मौलानाओं के कत्ल और बुलडोजर एक्शन पर भड़के ओवैसी

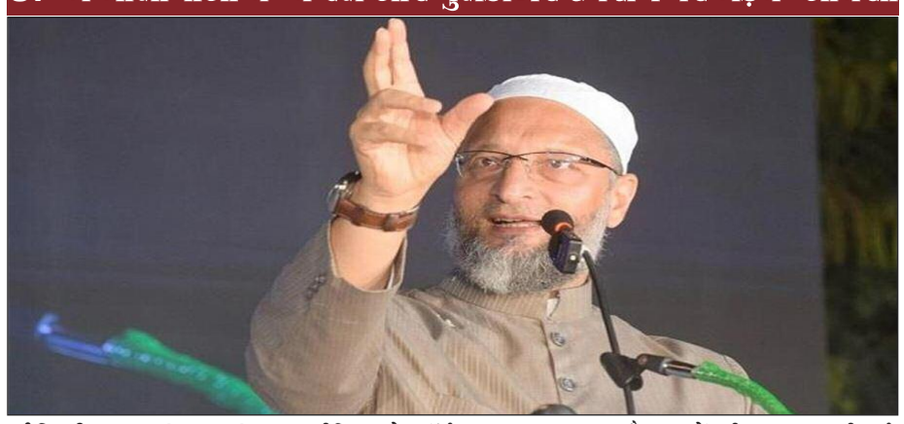

नई दिल्ली : ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि हालिया लोकसभा चुनाव के बाद देश के कई हिस्सों में मुसलमानों पर हमले की घटनाएं बढ़ गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्स' पर एक पोस्ट में हैदराबाद के सांसद ने सवाल किया कि क्या संघ परिवार "मुसलमानों से बदला" ले रहा है। ओवैसी ने दावा किया, "चुनाव नतीजों के बाद देश के कई हिस्सों में मुसलमानों पर हमले की घटनाएं बढ़ रही हैं। उत्तर प्रदेश में दो मौलानाओं की हत्या कर दी गई, अकबरनगर में मुसलमानों के घरों पर बुलडोजर चला दिया गया, छत्तीसगढ़ में दो मुसलमानों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।" एआईएमआईएम प्रमुख ने सवाल किया, "क्या संघ परिवार मुसलमानों से बदला ले रहा है?"

केआरके ने बसपा प्रमुख मायावती पर की आपत्तिजनक टिप्पणी, दर्ज हुआ केस

इंद्रपुर . फेमस क्रिटिक और एक्टर केआरके यानि कमाल आर खान अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। इस पर केआरके ने बसपा प्रमुख मायावती पर 'आपत्तिजनक' टिप्पणी की, जिसके कारण उनके खिलाफ सहारनपुर में मामला दर्ज किया गया है। इंद्रपुर गांव में रहने वाले बसपा नेता सुशील कुमार ने एक्टर के खिलाफ पुलिस में केस दर्ज कराया है। सहारनपुर से बसपा कैंडिडेट और केआरके के भाई माजिद अली को मायावती ने निष्कासित कर दिया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि कमाल आर खान उर्फ केआरके के खिलाफ बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की जिला इकाई के अध्यक्ष सुशील कुमार ने देवबंद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। अभिनेता जिले के फुलास अकबरपुर क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं। पुलिस के मुताबिक, केआरके ने एक्स पर पोस्ट साझा कर बसपा प्रमुख मायावती पर टिप्पणी की थी। एक्टर के भाई माजिद अली ने कहा है कि उनका केआरके से पिछले 15 वर्ष से कोई लेना देना नहीं है। माजिद अली ने बसपा के टिकट पर सहारनपुर से लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन वे असफल रहे। दरअसल, यह पूरा मामला मायावती की तरफ से चुनाव में खराब रिजल्ट के बाद मुस्लिमों को लेकर दिए गए बयान से शुरू हुआ। केआरके ने एक के बाद एक कई ट्वीट में मायावती पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। उन्होंने मुसलमानों और बहुजनों को बपौती नहीं समझने और भ्रष्ट नेता होने को लेकर कई बयान जारी किए, जिससे बहुजन समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और समाज स्वयं को अपमानित महसूस कर रहा है।

अगले पांच साल में 50 हजार करोड़ रक्षा निर्यात'; कार्यभार संभालते ही राजनाथ सिंह ने बताया विजन

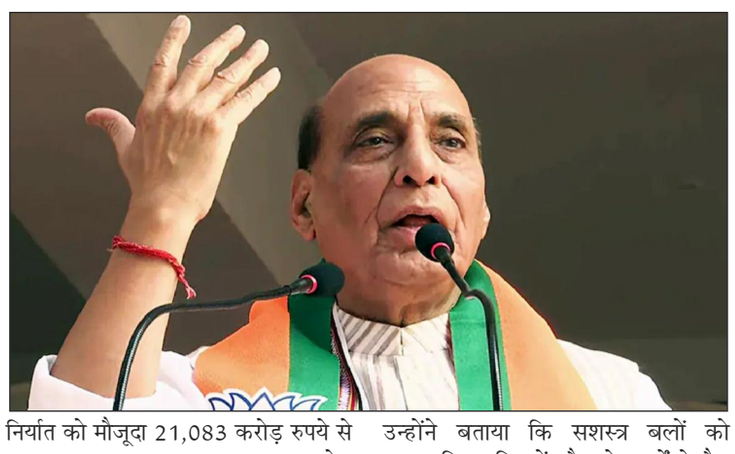

नई दिल्ली : बृहस्पतिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यभार संभालने के बाद नई नरेंद्र मोदी सरकार सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही। लोकसभा चुनाव के बाद तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बनाया। रक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभालने के तुरंत बाद उन्होंने नई सरकार के तहत रक्षा मंत्रालय की पहले 100 दिनों की कार्य योजना पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में पूर्व सैनिकों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें पूर्व सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यभार संभालने के बाद राजनाथ सिंह ने अगले पांच सालों का विजन बताया। उन्होंने कहा कि सरकार रक्षा निर्यात को मौजूदा 21,083 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2028-29 तक 50,000 करोड़ रुपये करने के लिए कड़ी मेहनत करेगी। बता दें कि राजनाथ सिंह लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक हथियारों और प्लेटफार्मों से लैस किया जा रहा है। वे हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा विवाद के बीच सिंह ने वीरता और प्रतिबद्धता के साथ देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए सैन्य कर्मियों की सराहना की। उन्होंने कहा, सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और सेवारत तथा सेवानिवृत्त दोनों सैनिकों के कल्याण पर हमारा मुख्य ध्यान बना रहेगा। वहीं समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को 100 दिनों की कार्य योजना में निर्धारित एजेंडे को पूरा करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का निर्देश दिया।

रक्षा मंत्री का रायसीना हिल्स में साउथ ब्लॉक स्थित उनके कार्यालय में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी, रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने स्वागत किया।

पिता रामविलास के बाद पुत्र चिराग भी बने केन्द्र सरकार में मंत्री, दिग्गज राजनेताओं में हुए शामिल

पटनाः लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिवंगत राम विलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान बिहार के उन चंद दिग्गज राजनेताओं में शामिल हो गए हैं, जो अपने पिता के बाद केन्द्र सरकार में मंत्री बनें। बिहार की राजनीति में कई दिग्गज नेता हुए, जो केन्द्र की सरकार में मंत्री बनें। हालांकि इनमें कुछ लोग हीं ऐसे हैं, जिनके परिवार के लोग भी केन्द्र सरकार में मंत्री बनें। ऐसे राजनेताओं में पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम और उनकी पुत्री मीरा कुमार, ललित नारायण मिश्रा और उनके भाई जगन्नाथ मिश्रा, यशवंत सिन्हा और उनके पुत्र जयंत सिन्हा, कृष्णा शाही और उनकी बहन उषा सिन्हा, राम विलास पासवान और उनके छोटे भाई पशुपति कुमार पारस शामिल रहे। चिराग पासवान इस बार नरेन्द्र मोदी की सरकार में केन्द्रीय मंत्री बनाए गए हैं। इसके साथ ही चिराग पासवान भी अब उन चंद राजनेता में शामिल हो गए, जिनके परिवार के सदस्य भी पूर्व में केन्द्र सरकार में मंत्री थे। चिराग पासवान को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय दिया गया है। रामविलास पासवान कई बार केन्द्र सरकार में मंत्री रहे। वह विश्वनाथ प्रताप सिंह, एचडी देवेगौड़ा, इंद्र कुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी की सरकार में मंत्री रहे हैं। राम विलास पासवान केन्द्र सरकार में उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मंत्री, श्रम एवं कल्याण मंत्री, कोयला मंत्री, संचार मंत्री, रसायन एवं उर्वरक मंत्री, खान मंत्री,सूचना एवं प्रचारण मंत्री,रेलमंत्री रहे हैं। राम विलास पासवान दो बार राज्यसभा सांसद रहे हैं। वह नौ बार लोकसभा सांसद बने। दिवंगत राम विलास पासवान आठ बार हाजीपुर (सु) जबकि एक बार रोसड़ा (सु) के सांसद रहे। पारस नरेन्द्र मोदी की सरकार में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री रहे हैं। पारस हाजीपुर (सु) के सांसद भी रहे हैं। चिराग पासवान दो बार जमुई (सु) और अभी हाल ही में हाजीपुर (सु) से सांसद बनें हैं। ह्यबाबूजी' के नाम से मशहूर जगजीवन राम ने बिहार की सियासत से दिल्ली तक की राजनीति का स्वर्णिम सफर तय किया। वर्ष 1946 में, वह जवाहरलाल नेहरू की अंतिम सरकार में श्रम मंत्री के रूप में सबसे कम उम्र के मंत्री बने। बाबू जगवजीन राम देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, उनकी बेटी इंदिरा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री और मोरारजी देसाई की सरकार में लगातार मंत्री रहे। बाबू जगजीवन राम, उप प्रधानमंत्री,केंद्रीय संचार मंत्री, केंद्रीय परिवहन और रेलवे मंत्री, केंद्रीय परिवहन और संचार मंत्री, केंद्रीय श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्री, केंद्रीय खाद्य और कृषि मंत्री, केंद्रीय रक्षा मंत्री, केंद्रीय कृषि और सिंचाई मंत्री के पद पर आसीन हुए। बाबू जगजीवन राम आठ बार लोकसभा सांसद रहे। वह आठ बार लगातार वर्ष 1952 से वर्ष 1984 तक लोकसभा सांसद रहे।बाबू जगजीवन राम वर्ष 1952 में शाहाबाद साउथ के सांसद बनें। इसके बाद वह 1957 से लगातार 1984 तक लगातार सात बार सासाराम (सु) के सांसद बनें। बाबू जगजीवन राम के निधन के बाद उनकी पुत्री मीरा कुमार ने उनकी राजनीतिक विरासत संभाली। मीरा कुमार वर्ष 2004 की मनमोहन सिंह की सरकार में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री और वर्ष 2009 में जल संसाधन मंत्री रही हैं। मीरा कुमार लोकसभा की पहली महिला अध्यक्ष भी बनीं। मीरा कुमार पांच बार सांसद बनीं। वर्ष एक बार उत्तर प्रदेश की बिजनौर, दो बार दिल्ली की करोलबाग और दो बार बिहार की सासराम सीट से सांसद बनीं। दिग्गज कांग्रेस नेता और ललित नारायण मिश्रा योजना, श्रम और रोजगार मंत्रालय के संसदीय सचिव, गृह मामलों के उप मंत्री, उप वित्त मंत्री, रक्षा उत्पादन राज्य मंत्री ,विदेश व्यापार मंत्री और केन्द्रीय रेल मंत्री रहे हैं। ललित नारायण मिश्रा वर्ष 1952 में दरभंगा-भागलपुर संसदीय सीट से पहली बार सांसद बनें। इसके बाद वह वर्ष 1957 में सहरसा से सांसद चुने गए। वर्ष 1972 दरभंगा उपचुनाव में जीत हासिल कर वह सांसद बनें। स्वर्गीय ललित नारायण मिश्रा दो बार राज्यसभा सांसद भी रहे। ललित नारायण मिश्रा के छोटे भाई पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद जगन्नाथ मिश्रा, पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री और कृषि मंत्री रहे हैं। यशवंत सिन्हा, चंद्रशेखर की सरकार में वित्त मंत्री जबकि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में वित्त मंत्री और विदेश मंत्री रहे हैं। यशवंत सिन्हा के पुत्र जयंत सिन्हा, नरेन्द्र मोदी की सरकार मे वित्त राज्य मंत्री और नागरिक उड्डयन मंत्री रहे हैं। यशवंत सिन्हा तीन बार हजारीबाग के सांसद के अलावा राज्यसभा सांसद भी रहे हैं जबकि उनके पुत्र जयंत सिन्हा दो बार हजारीबाग के सांसद बनें। दिग्गज कांग्रेस नेता महेश कुमार सिन्हा की पुत्री कृष्णा साही, राजीव गांधी की सरकार में मानव संसाधन विकास और जल संसाधन मंत्री रही हैं। कृष्णा साही, पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में उद्योग, भारी उद्योग,

नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में भी मंत्री रही हैं। कृष्णा शाही की छोटी बहन उषा सिंह, चंद्रशेखर की सरकार में पर्यटन राज्य मंत्री बनी थी। कृष्णा साही तीन बार बेगूसराय की सांसद बनीं जबकि उनकी बहन वैशाली की सांसद रही हैं।

करणी सेवा के अध्यक्ष के खिलाफ गुर्जर समाज ने भौंडसी थाने में दी शिकायत

सोहना: करणी सेना के अध्यक्ष कंवर सूरजपाल के द्वारा जाटों व गुर्जरों को लेकर विवादित टिप्पणी को लेकर गुर्जर समाज के लोगों ने भौंडसी थाने में एकलिखित शिकायत दी। इस मौके पर सेकंडो गुर्जर समुदाय के लोग एकत्रित थे। उन्होंने गुर्जर समाज व जाट समाज के बारे में करणी सेना के अध्यक्ष द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर कहा कि वह समाज में विभाजन का काम कर रहे हैं। वहीं उन्होंने युवाओं से भी अपील की वह अपनी भावनाओं को काबू में रखें ।एक युवक की विवादित टिप्पणी को लेकर पूरी कम्यूनिटी को लेकर कोई अभद्रता ना करें ।प्रशासन को भी उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अगर प्रशासन कार्रवाई नहीं करेगा तो वह अपने स्तर पर आंदोलन चलाएंगे। गुर्जर नेता सतबीर पहलवान, हरवीर अधाना, मनोज सहजवास ने कहा कि कुछ लोग समाज में इस तरह की टिप्पणी कर आपसी भाईचारे को खराब कर रहे हैं ।जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस मौके पर कहा गया कि क्षेत्र में राजपूत व गुर्जर बिरादरी के लोग आपस में मिलकर रहते हैं। इस तरह की टिप्पणी के बाद वह समाज में जहर घोल रहे हैं। गौर तलब है कि राजपूत सम्मेलन में करणी सेवा के अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू ने गुर्जर समाज में जाट समुदाय को लेकर अभद्र टिप्पणी की। जिसको लेकर क्षेत्र के लोगों में भारी रोष पनप रहा है। इसको लेकर एक शिकायत उन्होंने भोंडसी थाने में दी है । प्रशासनसे करणी सेना अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है

नगर परिषद की बैठक का आयोजन लाल डोरे को लेकर की गठित की गई टीम

सोहना नगर परिषद में मासिक बैठक का आयोजन किया गया ।इस बैठक में फैसला लेते हुए हर वार्ड में लाल डोरे को लेकर एक कमेटी गठित की गई। अब यही कमेटी हर वार्ड से डाटा इकट्ठा करके लाल डोरे में प्रॉपर्टी आईडी बनाने का काम करेगी। लाल डोरे के अंदर जो भी मकान होंगे उनकी जांच करके उनकी प्रॉपर्टी आईडी इसी कमेटी द्वारा बनाई जाएगी । परिसद की ई ओ सुमन लता ने बताया कि बैठक में अंबेडकर भवन की जमीन को लेकर फैसला लिया गया कि जन स्वास्थ्य विभाग को गांव बालूदा के समीप जमीन दे दी जाएगी। फायर ब्रिगेड ऑफिस व अंबेडकर भवन को यहीं पर स्थित कर दिया जाएगा। बरसात के मौसम को देखते हुए बरसाती नालों को साफ करने के भी प्रस्ताव को पास किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही नगली मोड पर एक वृद्ध आश्रम व म्यूनिसिपल कमेटी का कार्यालय बनाया जाएगा। दमदम मोड तक एरिगेशन पानी ले जाने के लिए पाइप लाइन फैलायी जाएगी। सभी सफाई कर्मचारियों को रेनकोट भी वितरित किए जाएंगे। इस मौके पर कई जनित प्रस्ताव के पास किये गई

बाइट राकेश पार्षद

बाइट सुमन लता ई ओ

बहन की ससुराल से लौट रहे युवक का रास्ता रोककर मारपीट कर लूटपाट की, ग्रामीणों की भीड़ देख भागे

समाचार गेट हरिओम भारद्वाज_होडल। बहन की ससुराल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे युवक की गाड़ी रोककर बदमाशों ने मारपीट कर लूटपाट की। बदमाशों ने गाड़ी लेकर भागने का प्रयास किया। शोर सुनकर ग्रामीणों की भीड़ आते देख भाग खड़े हुए बदमाश। पीड़ित की शिकायत पर मुंडकटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मुंडकटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेवली मानपुर सेवली का मामला है। उत्तर प्रदेश के मथुरा के अमर कालोनी निवासी मिठ्ठन सिंह ने मुंडकटी थाना पुलिस को अपनी शिकायत देते हुए बताया कि उसकी बहन की ससुराल हथीन में है। बहन की ससुराल में कार्यक्रम था। वह बहन की ससुराल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने गया था। कार्यक्रम से वापस मानपुर सेवली के रास्ते मुंडकटी आ रहा था कि रास्ते में कुछ युवकों ने उनकी गाड़ी को हनुमान मंदिर के पास गाड़ी पर हमला कर दिया जिससे वह घबरा गया। हमलावरों ने सामने आकर गाड़ी को रुकवा लिया। गाड़ी के रुकते ही हमलावरों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित के पास रखें नगदी के दस हजार रुपए और गाड़ी की चाबी लूट ली। बदमाश गाड़ी को लेकर भागने का प्रयास किया लेकिन पीड़ित युवक का शोर सुनकर गांव वाले घटना स्थल पर दौड़ पड़े। ग्रामीणों की भीड़ अपनी ओर आता देख बदमाश घबरा गए और गाड़ी छोड़ कर भाग लिए। आसपास के ग्रामीणों ने पुलिस सहायता पीसीआर नम्बर 112 पर घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पीड़ित ने पुलिस को अपनी साथ हुई वारदात के बारे में जानकारी दी। पीसीआर ने पीड़ित व्यक्ति को मुंबकटी थाना पुलिस से संपर्क कराया। मुंडकटी थाना पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पांच लाख रुपये का चिकित्सा बीमा संरक्षण देने वाली कैशलैस योजना में पत्रकारों को भी शामिल किया जाए

समाचार गेट (हरिओम भारद्वाज):होडल हरियाणा पत्रकार संघ ने राज्य सरकार द्वारा मंगलवार को सरकारी कर्मचारियों के लिए घोषित की गई पांच लाख रुपये का चिकित्सा बीमा संरक्षण देने वाली कैशलैस योजना में पत्रकारों को शामिल नहीं करने पर गहरा रोष व्यक्त किया है। पहले राज्य सरकार ने कैशलैस योजना को कर्मचारियों के साथ पत्रकारों को भी संबद्ध करने का फैसला लिया था। लेकिन अब पत्रकारों को इस योजना में शामिल नहीं करने राज्य के पत्रकारों में रोष है। होडल उपमंडल से पत्रकार रतन चौहान, मधुसूदन, रोशन लाल शर्मा, हरिओम शर्मा, महावीर सिंह व रोहित जैन ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि सरकार कैशलेस योजना स्कीम के तहत पत्रकारों को शामिल किया जाए। हरियाणा पत्रकार संघ के अध्यक्ष के.बी. पंड़ित ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि लोकसभा चुनाव से पुर्व लोक सम्पर्क विभाग के तत्कालीन महानिदेशक अमित अग्रवाल ने बताया था कि कर्मचारियों के साथ ही पत्रकारों को भी कैशलैस का लाभ दिया जायेगा। किन्हीं कारणों से यह योजना लागु नहीं हो सकी, इस पर सरकारी कर्मचारी नाराज हो गये और इसका खमियाजा सत्तारूढ दल को भुगतना पड़ा। चुकि राज्य विधान सभा के चुनाव अगले चार महीने में होने हैं, इसलिए राज्य सरकार जल्दी में है। यह अफसोस की बात है कि सरकार के वायदे के अनुसार पत्रकारों को इस योजना में शामिल नहीं करने पर राज्य के पत्रकार नाराज हैं और सभी जिलों से मांग हो रही है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस कैशलैस योजना को पत्रकारों को लाभ देने के लिए यथाशीघ्र लागु करें। यहां यह उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने पत्रकारों को पांच लाख रुपये का चिकित्सा बीमा संरक्षण देने के लिए कैशलैस योजना के प्रारूप में पैंशन प्राप्त करने वाले पत्रकार व उनके परिजनों (पत्रकार, उनकी पत्नी, उनके दो अविवाहित बच्चे व मां-बाप शामिल हैं) को भी शामिल करने का वायदा किया था। श्री के.बी. पंड़ित ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से हरियाणा पत्रकार संघ के एक प्रतिनिधि मण्डल से मिलने का समय मांगा गया है। संघ मुख्यमंत्री के साथ बैठक में कैशलैस योजना के साथ अन्य मांगों को भी ज्ञापन के रूप में रखेगा।

स्टूडेंट्स को अपनी प्रतिभा निखारने का मिलेगा मौका

स्टूडेंट्स का मानसिक और बौद्धिक ज्ञान का होगा विकास

ज्योति खंडेलवाल /पलवल:- कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पलवल जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दुधौला में ह्यटाबर उत्सवह्न का आयोजन किया गया। जिला के विभिन्न सरकारी स्कूलों के 9वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थी अब टाबर उत्सव के तहत किताबी ज्ञान के साथ साथ मूर्तिकला का हुनर सीखेंगे। आर्टिस्ट उदित नारायण बैसला(मूर्तिकला) ने बताया कि इस ग्रीष्मकालीन शिविर ह्यटाबर उत्सवह्न में होनहार छात्र-छात्राओं को मूर्ति शिल्प कला में अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि मूर्तिशिल्प एक मात्र ऐसा विषय है जिसमें सभी विषयों का

अध्ययन एक साथ हो जाता है। यह विद्यार्थी को शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक ज्ञान को नवीनता प्रदान करता है। विद्यार्थियों को हरियाणा राज्य में लुप्त होती मूर्तिकला का विकास एवं विभिन्न माध्यमों जैसे धातु लकड़ी, पत्थर, पीओपी, टैर-ाकोटा, कांच, वेल्डिंग, सिरामिक, असेम्बलेज आदि से भी अवगत करवाया जाएगा। कक्षाओं को प्रयोगात्मक व रोचक बनाने के लिए लाइव मॉडल डेमो से भी कार्य करवाया जाएगा। जिला के विद्यार्थी इन 30 दिनों में तकनीकी व कलात्मक दृष्टिकोण से लाभान्वित होंगे। हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान टावर उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। पलवल जिला के विभिन्न सरकारी स्कूलों के 9वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को टाबर उत्सव के तहत किताबी ज्ञान के साथ साथ मूर्तिकला का हुनर सिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण आधुनिक मूर्तिशिल्प क्ले मॉडलिंग, रिलीफ एवं 3 डी आर्ट में हरियाणवी संस्कृति पर आधारित है। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान छात्र-छात्राओं का रचनात्मक और कलात्मक विकास करवाने के लिए यह प्रशिक्षण बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने में कारगर सिद्ध होगा। इससे विद्यार्थी भविष्य में कला प्रतियोगिताओं में बढ़-चढकर भाग लेने के साथ राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मूर्ति शिल्प प्रतियोगिताओं के बारे में भी सीखेगें। प्रशिक्षण देने वाले कलाकारों द्वारा कला संस्कृति तथा मूर्तिकला के उत्थान संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए कला को निखारा जाएगा, जिससे विद्यार्थी अपना करियर बना सकेंगे। जिला में आधुनिक मूर्तिकला के प्रचार-प्रसार के लिए यह शिविर अत्यंत सार्थक सिद्ध होगा।

गर्मियों की छुट्टियों मे विद्यार्थी अब नहीं जाते नानी के यहाँ, क्योंकि वह बन रहे है आत्मनिर्भर :-

छात्रा रानी और काजल ने बताया कि शिविर में आकर वेस्ट मेटेरियल से कलाकृति बनाना सीख रहे है। शिविर में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। इस कला को सीख कर आत्मनिर्भर बन सकते है। उन्होंने बताया की आर्ट करने का शौक तो पहले से ही था मगर आर्ट करने के लिए कोई मंच नहीं मिल पा रहा था जहाँ वह अपनी प्रतिभा को उजागर कर सकें उन्होंने बताया की वह अब गर्मियों की छुटियों में नानी या बुआ के घर जाना पसंद नहीं करते क्योंकि वह अब मन लगा कर आर्ट कर रहे है वो वेस्ट समान से भी बेहद अच्छी आर्ट कर रहे है और आर्ट मे अपना करियर भी चुन रहीं है.

जिला में अलग-अलग स्थानों पर खोलें जाएगें कानूनी सहायता केंद्र : सीजेएम तैयब हुसैन

अनिल मोहनियां नूंह

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम तैयब हुसैन ने सभी पैनल वकीलों की आज एड-ीआर में मिंटिग ली। मिंटिग में प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही स्कीम के बारे में जानकारी दी और कंपनसेशन के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी लोगो तक पहुंच और फ्री वकील के बारे में भी जानकारी दी गई। सीजेएम तैयब हुसैन ने बताया की जिन लोगो की आय तीन लाख से कम है, वो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नूंह से फ्री वकील ले सकता है। उन्होंने बताया कि जल्दी ही नूंह जिले अलग अलग जगह पर कानूनी सहायकता केंद्र खोले जाएंगे। ताकि लोगो को ज्यादा से कानूनी जानकारी मिल सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नूंह

का प्रयास है, की कोई भी व्यक्ति कानून से वंचित न रहे। नूंह जिले में लगातार पैनल वकील, पीएलवी द्वारा गांव गांव जाकर कानूनी जानकारी दी जा रही है। रेडियो मेवात पर भी पैनल वकील द्वारा कानूनी जानकारी दी जा रही है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव तैयब हुसैन ने कहा की किसी कानूनी जानकारी के लिए टेलीफोन नंबर 01267-271072 पर भी कानून जानकारी ले सकते हैं।

बिजली आपूर्ति के लिए आफताब अहमद ने अधिकारियों की ली फिर बैठक

अनिल मोहनियां नूंह

नूंह विधायक व कॉंग्रेस विधायक दल के उप नेता चौधरी आफताब अहमद ने बढ़ते हुए तापमान में नूंह जिले में बिजली की न्यूनतम 16 घंटे आपूर्ति के सिलसिले में बिजली विभाग के अधिकारियों की बृहस्पतिवार को बैठक लेकर तत्काल समाधान के लिए कहा है। बैठक में नूंह जिले के एक्सईएन सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। बीते हफ्ते भी विधायक आफताब अहमद ने जिले में बिजली की किल्लत के समाधान कराने के दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के एमडी पीसी मीणा आईएएस से बात कर कहा कि नूंह जिले में बिजली आपूर्ति बाधित है, लंबे लंबे बिजली कट जनता की परेशानी को

गर्म मौसम में बहुत ज्यादा बढ़ा रहे हैं। विधायक ने कम से कम 16 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाने के लिए कहा था। हालांकि हरियाणा बिजली वितरण निगम के एमडी पीसी मीणा आईएएस से बात करने के बाद हालात सुधरे तो सही लेकिन अभी भी 16 घंटे बिजली आपूर्ति नहीं हो रही है और कई गांवों में तो बहुत लंबे लंबे बिजली कट लोगों को गर्म मौसम में तंग कर रहे हैं। इसी का संज्ञान लेकर कल फिर नूंह विधायक आफताब अहमद ने बिजली विभाग के एक्सईएन सहित अन्य अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि इस गर्म तापमान में लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए 16 घंटे बिजली सुनिश्चित की जाए। ताकि इस लगभग 50 डिग्री तक जा रहे तापमान में इंसानों को दिक्कतें पेश ना आयें। अधिकारियों ने विधायक को आश्वासन दिया कि प्राथमिकता पर इस बात का संज्ञान लेकर बिजली आपूर्ति और भी दुरुस्त की जायगी। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण पेयजल आपूर्ति बाधित होती है जिसके कारण जनजीवन और अधिक प्रभावित होता है इसलिए बिजली आपूर्ति हर हाल में 16 घंटे कम से कम की जाय। उन्होंने कहा कि जब तक समाधान नहीं हो जाता तब तक वो इन मामलों को लेकर लगातार सुलझाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। इस दौरान दर्जनों ग्रामीणों, स्थानीय लोगों के अलावा कॉंग्रेस जन मौजूद थे जिन्होंने विधायक से बिजली के समाधान के लिए आग्रह किया था।

एसपी पलवल डॉ अंशु सिंगला के कुशल मार्गदर्शन में "नशा मुक्त भारत पखवाडा" अंतर्गत होडल पुलिस

नशे के खिलाफ एवं नशे से बचनें हेतु कर रही है जागरुक

समाचार गेट हरिओम भारद्वाज

होडल थाना प्रभारी मोहमद इलियास ने बताया की महानिदेशक हरियाणा श्री शत्रुजीत कपूर के आदेशों एंव श्री ओ०पी० सिंह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, पंचकुला के निदेर्शों की पालना में तथा एसपी पलवल डॉ अंशु सिंगला के कुशल मार्गदर्शन में पलवल पुलिस द्वारा दिनांक 12 जून से 26 जून 2024 तक नशा मुक्त भारत पखवाडा अर्न्तगत नशे के खिलाफ विशेष अभियान की शुरूआत की गई है जिस अभियान के तहत थाना होडल प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद इलियास की टीम ने गांव भुलवाना में चौक चौराहा एवं घर घर जाकर आमजन,माता-पिता व उनके बच्चो से मिलकर नशे से बचनें

हेतु जागरुक किया साथ ही उन्हें नशे के विरुद्ध शपथ दिलाई जागरूकता टीम नें बताया नशा के दुष्प्रभाव से व्यक्ति कभी संभल नहीं पाता है। नशा,नाश है जिस एक व्यक्ति के साथ साथ उसका परिवार भी बर्बाद हो जाता है इस से दूर रहे इसको किसी भी इन्जाय इत्यादि के लिए प्रयोग ना करें क्योकि पहले तो व्यक्ति छोटे मोटे नशे करता है फिर धीरे धीरे वह बडे नशे का प्रयोग करनें लग जाता है। फिर व्यक्ति कुछ कार्य करनें के काबिल नही रहता और सिर्फ नशे के बारे में ध्यान रखता है। पहले पहल घर से चोरी इत्यादि करनें लग जाता है फिर वह बाहर छोटे छोटे अपराध को अन्जाम देकर फंस जाता है। धीरे धीरे उस व्यक्ति के साथ साथ उसके परिवार भी बर्बाद हो जाता है। इस संबंध में पुलिस नें आमजन से अपील करते हुए कहा कि अगर आपके पास किसी प्रकार की नशे सबंधी सूचना है कोई व्यक्ति नशे का प्रयोग करता है या नशे की सप्लाई इत्यादि करता है तो इस बारे पुलिस को 112 नंबर पर सूचित करे। पता व जानकारी बतानें वालें व्यक्ति का नाम पता गुप्त रखा जायेगा ताकि युवा पीढी को नशे की दलदल से बचाया जा सके ।

टैंकर से पानी भरने जा रही मां के पीछे सीढिड़ों से उतर रही मासूम गिरी, हुई मौत

फरीदाबाद। डबुआ कालोनी में रहने वाली ढाई साल की बच्ची की सीढी से फिसल कर मौत हो गई। बच्ची अपनी मां के पीछे भागते हुए सीढ़ी से फिसल गई। जिससे उसके सिर में चोट आई। बच्ची को इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल दिल्ली में भर्ती कराया गया था। जहां उसकी मौत हो गई।डबुआ कालोनी में बी ब्लॉक में रहने वाले राकेश कुमार का परिवार एक दशक पहले यहां जीवन यापन करने आया था। परिवार मूलरूप से इटावा का रहने वाला है। कालोनी में पिछले दो माह से पानी की किल्लत बनी हुई है। दो से तीन दिन के अंतर में कोई सरकारी टैंकर आता है। जिस पर लोग पानी लेने के लिए टूट पड़ते हैं। बी ब्लॉक में भी पानी का टैंकर दो दिन बाद आया। टैंकर को देखकर राकेश की पत्नी आरती पानी लेने के लिए पहली मंजिल से तेजी से उतरी। आरती की ढाई साल की बेटी परी मां के पास ही खेल रही थी। मां को तेजी से नीचे उतरता देखकर परी भी सीढ़ी उतरने लगी।

इस दौरान उसका पांव फिसल गया। जिससे वह सिर के बल पर नीचे आ गिरी। परिजन बच्ची को इलाज के लिए पहले बादशाह खान अस्पताल ले गए। जहां से उसको सफदरजंग रेफर कर दिया गया। बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार वाले सफदरजंग अस्पताल से ही बच्ची का शव लेकर इटावा चले गए।

समाधान शिविरों में नागरिक समस्याओं का तुरंत किया जा रहा निपटान :- उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा

उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने बताया कि राज्य सरकार के दिशा निदेर्शानुसार आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से लगातार जिला व उप मंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। नूंह लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में रोजाना की तरह आज भी समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अनेक नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर उपायुक्त के समक्ष पहुंचे। उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा द्वारा समस्याओं के निर्धारित समय में त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को एक्शन लेने के निर्देश दिए गए। अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया। उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने कहा कि जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर

आयोजित करने का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है। जिला मुख्यालय व तीनों उपमंडल (फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना व तावडू) में समाधान शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर में नागरिक विभिन्न प्रकार की समस्याओं को लेकर आ रहे हैं, जिनमें परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, भूमि विवाद, बिजली कनेक्शन, पेंशन, और अन्य सरकारी योजनाओं से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। मौके पर ही सभी विभागों के आला अधिकारी मौजूद रहते हैं और शिकायतों का त्वरित समाधान करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जाती है। ज्यादातर मामलों में मौके पर ही समाधान प्रदान किए जा रहे हैं। जबकि कुछ मामलों में, अधिकारियों ने शिकायतों का निपटारा करने के लिए एक निश्चित समय सीमा निर्धारित की है, जिसमें समस्या का समाधान करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। डीसी ने कहा कि सरकार व प्रशासन की प्राथमिकता है कि नागरिकों को उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान किया जाए। इन समाधान शिविरों के माध्यम से प्रशासन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि हर नागरिक को सरकारी सेवाओं तक आसान पहुंच प्राप्त हो और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा समाधान शिविरों में आने वाली प्रत्येक शिकायत पर निगरानी रखने के लिए समाधान शिविर प्रकोष्ठ का गठन किया गया है, जिसकी निगरानी मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा नियमित रूप से की जा रही है। सभी अधिकारी समस्याओं के निदान के लिए तत्परता से कार्य करना सुनिश्चित करें।

जिला में आई 20 शिकायतें

जिला प्रशासन द्वारा भी नागरिकों से अपनी समस्याओ को समाधान शिविर के जरिये समाधान करवाने का आह्वान किया जा रहा है। समाधान शिविर में आज नूंह में 14, फिरोजपुर झिरका में कोई नही , पुन्हाना में 1 व तावडू में 5 शिकायतें दर्ज हुई।

हर रोज पोर्टल पर अपडेट होता स्टेट्स

उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाली हर शिकायत को अधिकारी पोर्टल अपलोड करें

और साथ में समस्या की वर्तमान स्थिति के बारे में भी अपडेट करते रहें ताकि लोगों को किसी प्रकार कोई परेशानी न हो। समाधान शिविर में अब तक आई ज्यादातर शिकायतों का समाधान किया जा चुका है व जो लंबित हैं उनका समाधान जल्द सुनिश्चित किया जाएगा।

छांयसा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाली एक्स-रे मशीन से किया गया टीबी स्क्रीनिंग कैंप

फरीदाबाद ,13 जून : प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छांयसा में एक क्षय रोग (टीबी) स्क्रीनिंग कैंप आयोजित किया गया। इस कैंप में 108 मरीजों ने भाग लिया, जिनमें से 55 मरीजों का छाती का एक्स-रे किया गया। इनमें से 20 मरीजों में टीबी का संदेह हुआ। इन मरीजों की बलगम जांच की जा रही है और जल्द ही उन्हें एंटी-टीबी दवाएं शुरू की जाएंगी। कैंप में मरीजों की पहले बुखार, खांसी, वजन में कमी या बलगम में खून जैसे लक्षणों के लिए जांच की गई। इसके बाद पोर्टेबल एक्स-रे मशीन का उपयोग करके छाती का एक्स-रे किया गया, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से समर्थित है। यह उन्नत उपकरण कुछ सेकंड में रिपोर्ट देता है, जिससे रेडियोलॉजिस्ट की आवश्यकता नहीं है। मेडिकल इंटर्न डॉ. अमलान दास ने भी इस शिविर में सक्रिय रूप से भाग लिया और मरीजों को उनका एक्स-रे करवाने में मदद की । एक्सरे के नतीजे तुरंत मरीजों के साथ साझा किए गए और एक्स-रे की सॉफ्ट कॉपी पीएचसी छांयसा के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के साथ व्हाट्सएप या ईमेल के माध्यम से साझा किए गए। लक्षणों और एक्स-रे के आधार पर, चिकित्सा अधिकारी ने आगे की प्रबंधन योजना निर्धारित की।यह कैंप टीबी अलर्ट इंडिया के तहत जिला उ19 कार्यक्रम की टीम की सहायता से आयोजित किया गया था। टीबी स्क्रीनिंग के अलावा, मरीजों की ऊंचाई, वजन, रक्तचाप, एचआईवी स्थिति और रक्त शर्करा स्तर की भी जांच की गई। कैंप में शराब और तंबाकू की खपत के लिए भी स्क्रीनिंग की गई। मानसिक स्वास्थ्य विकार या नशे के मरीजों को जिला मानसिक स्वास्थ्य टीम द्वारा प्रदान की गई मनोवैज्ञानिक से परामर्श भी मिला। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छांयसा के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकित चंद्र ने टीबी से निपटने के लिए इस प्रकार के व्यापक कैंपों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि लगभग 30% टीबी मामले बिना लक्षणों के होते हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं अक्सर दुर्लभ और निम्न गुणवत्ता की होती हैं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग निदान सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. अंकित ने कहा कि भविष्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छांयसा के गांवों में और अधिक कैंप आयोजित किए जाएंगे ताकि टीबी से पीड़ित मरीजों का जल्द से जल्द निदान और इलाज किया जा सके।

विधायक नीरज शर्मा ने पानी की समस्या को लेकर एफएमडीए के अधिकारियों के मीटिंग ली

फरीदाबाद। एनआईटी के विधायक नीरज शर्मा ने फरीदाबाद महानगर विकास प्रधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.श्रीनिवासन से मुलाकात कर एनआईटी विधानसभा में आ रही पानी की समस्या को लेकर मीटिंग की। विधायक नीरज शर्मा ने मीटिंग में कहा कि फरीदाबाद महानगर विकास प्रधिकरण को लगभग 200 एमएलडी पानी आ रही है लेकिन उसका समान वितरण न होने के कारण एनआईटी विधानसभा में पानी कि किल्लत बढ़ती जा रही है। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि पानी के समान वितरण को लेकर उनके द्वारा मुख्यमंत्री नायब सैनी से दूरभाष पर दो-दो बार बात की गई है उसके बावजूद कोई समाधान नही हो रहा है। विधायक नीरज शर्मा ने मीटिंग में कहा कि फरीदाबाद के सैक्टरों में एक-एक दिन के 9-9 घंटे पानी दिया जा रहा है और एनआईटी के लोगों को एक-एक महीने बाद भी पानी नही मिल रहा है। विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए. श्रीनिवासन ने आश्वासन दिया है कि वह नगर निगम आयुक्त से बात करके एनआईटी में पानी की सप्लाई को बढ़ाने का काम जल्द करेंगे, जिससे की एनआईटी विधानसभा में पानी की समस्या कम हो।मीटिंग में मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए. श्रीनिवासन, नगर निगम के मुख्य अभियंता बीके कर्दम, एनडी वशिष्ट, अधीक्षक अभियंता ओमबीर सिंह, कार्यकारी अभियंता पदम भूषण, कनिष्ठ अभियंता मनोज आदि उपस्थित रहे।

बल्लभगढ़ विधान सभा क्षेत्र में एक और को- एड कालेज की मिली सौगात: कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र को शिक्षा के लिए एक और बड़ी सौगात मिली है। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि को-एड कालेज शहीद भगत सिंह के नाम से जाना जाएगा।बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र को एक और राजकीय महाविद्यालय मिला है। जिसकी भव्य आधुनिक तकनीकी और सुविधाओं से युक्त राजकीय को-एड कॉलेज की नई इमारत बल्लभगढ़ सेक्टर-23 में बनाई जाएगी। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि को.एड कॉलेज में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सरकार की तरफ से चिी जारी करके यह आदेश पारित किए गए हैं। नई इमारत बनने तक राजकीय कॉलेज खेड़ी गुजरान में कक्षाएं लगाई जाएंगी।

कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि इससे पहले बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर-2 में महिला कॉलेज का निर्माण करवा चुके हैं। जहां करीब 1800 बेटियां शिक्षा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर-23 में करीब साढ़े 5 एकड़ में भव्य कॉलेज बनाया जाएगा। को. एड कॉलेज बनाने के लिए सरकार जमीन सहित करीब 90 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी। वहीं यह कालेज भी आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। इस कॉलेज के बनने पर सैकड़ों कॉलोनी सहित ग्रामीण इलाके के युवाओं को शिक्षा का लाभ मिलेगा। यह कॉलेज शहर की मुख्य लोकेशन पर बनेगा। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि पूर्व की स-रकारों में शिक्षा के क्षेत्र में विकास कार्य नहीं किए गए थे। भाजपा राज से भी पहले बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्रध यहां से मंत्री और विधायक लेकिन विकास के मामले में हमेशा बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र पिछड़ रहा है। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया।

बल्लभगढ़ सेक्टर-23 में शहीद भगत सिंह राजकीय को.एड कॉलेज की मंजूरी के बाद तुरंत प्रभाव से ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया शुरू किए जाने पर बल्लभगढ़ निगरानी कमेटी के पूर्व अध्यक्ष महावीर सैनी, बृजलाल शर्मा, लखन बेनीवाल, पीएल शर्मा, कौशल शर्मा, अभिषेक वशिष्ठ ने कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा को मिठाई खिलाकर बधाई दी। वहीं बल्लभगढ़ सेक्टर-23 में शहीद भगत सिंह राजकीय को . एड कॉलेज की मंजूरी और दाखिला प्रक्रिया शुरू किए जाने पर मुजेसर मंडल की टीम ने कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मुजेसर मंडल के अध्यक्ष अनुराग गर्ग, महामंत्री कुलदीप मथारू, ज्ञानेंद्र भारद्वाज सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नगर में कहीं भी न दिखाई दे कूड़ा-करकट, सफाई व्यवस्था को करें और बेहतर: उपायुक्त विक्रम सिंह

फरीदाबाद। नगर में सफाई व्यवस्था तथा जलापूर्ति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उपायुक्त विक्रम सिंह और नगर निगम की आयुक्त मोना ए. श्रीनिवास ने संबंधित अधिकारियों के साथ गंभीरता से मंथन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि नगर में कहीं भी कू-ड़ा-करकट और जलभराव नहीं होना चाहिए। आम जनमानस को साफ-सुथरा वातावरण मिलना चाहिए, जिसके लिए हर संभव प्रयास किये जायें। शहर में सफाई व्यवस्था के साथ जलापूर्ति व जलभराव की स्थिति की समीक्षा के लिए गुरूवार को लघु सचिवालय में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त विक्रम सिंह कर रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि नगर में सफाई व्यवस्था को और बेहतर किया जाएए जिसके लिए कूड़ा प्रबंधन को सुदृढ़ करें। सडकों व स-ार्वजनिक स्थानों पर कूड़े के ढ़ेर नहीं लगने चाहिए। हर क्षेत्र में कूड़ा उठाने के उचित बंदोबस्त करें। उपायुक्त विक्रम सिंह ने जलापूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए जल के अवैध दोहन की रोकथाम पर बल दिया। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिए कि वे सीमाओं पर पानी के टैंकरों की जांच करें। टैंकरों में पानी भरकर यहां से दिल्ली न लेकर जाये। होटलों, स्विमिंग पुलों आदि बड़े संस्थानों की भी जांच करें। कहीं भी अवैध रूप से जल का दोहन न होने पाये। इसके लिए संयुक्त टीम का गठन कर जांच कार्रवाई करें। इस दौरान नगर निगम की आयुक्त मोना ए श्रीनिवास ने कहा कि नगर में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। इसमें जन सहयोग अपेक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि निजी प्लाटों में कूड़ा न डाला जाए। ऐसा करने पर जुमार्ना लगाने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आह्वान किया कि सफाई व्यवस्था को अभियान के रूप में लेकर चलें। एकजुट प्रयासों से सफाई व्यवस्था को कायम रखा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सभी संस्थान व विभाग अपने संपूर्ण संसाधनों का प्रयोग कर सफाई व्यवस्था को बल प्रदान करें। निगमायुक्त ने कहा कि अवैध रूप से चलाये जाने वाले आरओ प्लांट के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जल का अवैध दोहन नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि जलभराव की स्थिति कहीं भी उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। मानसून सीजन की शुरूआत से पहले ही हर प्रकार के प्रबंध पूरे किये जायें। साथ ही उन्होंने नालों की भी सफाई करवाने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद शर्मा, नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल, डीसीपी जसलीन कौर, एसडीएम बडखल कम स्मार्ट सीटी एसीओ हरीराम, अतिरिक्त आयुक्त गौरव अंतिल, आरटीओ मुनीश सहगल आदि अधिकारीगण मौजूद थे।

जुआ खिलाने का आरोपी क्राईम ब्रांच सैक्टर-85 की गिरफ्त में

फरीदाबाद। जमीन विवाद को लेकर दो पक्ष प्रकाश कौर और अशोक थाना मुजेसर में आए थे। जिनके ब्यान दर्ज कर तफ्तीश की जा रही थी। दोनों पक्षों को पुलिस ने फारिक कर दिया था। मामले में प्र-काश कौर पक्ष के साथ आरोपी अजीत भी थाना आया था। जो प्र-काश पक्ष को स्पॉट कर रहा था। जमीन के मामले को ही लेकर अजीत ने अपने साथियो के साथ मिलकर थाने से बाहर जाने के बाद डाबरी चौक सेक्टर-24 में अपनी फॉर्च्यूनर गाडी से अशोक की गाडी में टक्कर मारी। वहां से अशोक जान बचाकर थाना में आ गया। मामले के संबंध में पुलिस उपायुक्त एनआईटी के दिशा निदेर्शानुसार अशोक की पत्नी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी अजीत को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अजीत गांव मुजेसर का रहने वाला है। मुकदमें में तफ्तीश जारी अन्य आरोपियों की तलाश जारी है जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

निगम कर्मचारियों ने मुख्यालय पर किया जोरदार प्रदर्शन

फरीदाबाद। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर आज नगर निगम कर्मचारियों ने संघ के जिला प्रधान दिलीप सिंह बोहत की अध्यक्षता में किया जोरदार प्रदर्शन। नगरपालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर कल 14 जून को प्रदर्शन कर निगम आयुक्त के माध्यम से शहरी स्थानीय निकाय मंत्री के नाम देंगे ज्ञापन। नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री व संघ के उप महासचिव सुनील चिंडालिया राज्य सचिव अनूप वाल्मीकि ने हरियाणा सरकार को दलित एवं सफाई कर्मचारी विरोधी करार देते हुए कहा कि हरियाणा सरकार की वायदा खिलाफी सफाई सीवर कर्मचारियों के शोषण एवं उत्पीडड़ात्मक कार्यवाहियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर आंदोलन की शुरूआत कर दी है। उन्होंने कहा कि यदि शहरी स्थानीय निकाय मंत्री ने कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने बारे ठोस कदम नहीं उठाया तो संघ 20 जून को सभी उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन कर उपायुक्तों के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम भी ज्ञापन प्रेषित करेगा। उन्होंने बताया कि नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा का मॉस डेपुटेशन 23 जून को सुभाष सुधा शहरी स्थानीय निकाय मंत्री के कुरुक्षेत्र स्थित आवास पर मिलकर गुरुग्राम के 26 बर्खास्त कर्मचारियों को बहाल करने एवं नगरपालिका कर्मचारी संघ व सरकार के बीच 4298 सफाई कर्मचारी व 67 सीवर मैनो भर्ती प्रकिया के माध्यम से पक्का करने, सभी भत्तों सहित समान काम-समान वेतन देने, ठेकाप्रथा समाप्त करने, क्षेत्रफल आबादी के अनुपात में सफाई, सीवर कर्मचारियों एवं तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियो के पद सृजित कर नियमित भर्ती करने, हरियाणा कौशल रोजगार निगम को भंग करने तथा अनुबंधित, दैनिक वेतन भोगी, पार्ट टाइम व हरियाणा कौशल रोजगार निगम में लगे सभी कर्मचारियों को नीति बनाकर पक्का करने, पालिका, परिषद और निगमों में लगे सभी तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को बिना शर्त एसीपी का लाभ देने, फायर कर्मचारी को सृजित पदों पर समायोजित करने, अनुबंधित आधार पर लगे फायर कर्मचारी के वेतन में बढ़ोतरी करने व अन्य समझौतों को लागू करवाने तथा मांग पत्र में वर्णित मांगों का वार्ता कर समाधान करने की मांग को लेकर मुलाकात करेगा निकाय मंत्री ने पालिका कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं किया तो संघ निकट भविष्य में बड़ा आंदोलन कर सरकार की दमनात्मक, उत्पीडड़ात्मक एवं सफाई कर्मचारी के किए जा रहे शोषण के खिलाफ बड़े आंदोलन की घोषणा करेगा। आज के प्रदर्शन को अन्य के अलावा कर्मी नेता जिला सचिव अनिल चिंडालिया, जिला कार्यकारी प्रधान सुदेश कुमार, उप प्रधान बलवीर सिंह बालगुहेर, सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान गुरुचरण खांडिया, सचिव कृष्णा चिंडालिया, वरिष्ठ प्रधान राकेश रघुवीर चौटाला, श्रीपाल, शक्ति सिंह, देवेंद्र मंझावली, प्रेमपाल बेलदार यूनियन के प्रधान शहाबुद्दीन वाटर सप्लाई के प्रधान देवी चरण शर्मा, सैनिटेशन स्टाफ के प्रधान शिवकुमार, देवी सिंह व महिला नेता ललिता, कमलेश, शकुंतला,

ज्ञानो देवी, नीतू, सुरेश मेंलंदा, महेंद्र कुडिड्रा, राजीव मडोतिया, महेश शर्मा, सूरज रंग, मनोज शर्मा आदि ने भी संबोधित किया।

तपती गर्मी में बिजली समस्याओं से जूझ रहे तिगांव क्षेत्रवासी : ललित नागर

क्षेत्र में व्याप्त बिजली की समस्याओं को लेकर पूर्व विधायक ने की अधीक्षण अभियंता से मुलाकात

फरीदाबाद। एक तरफ तो 48 डिग्री सेल्सियस की गर्मी ऊपर से बिजली की किल्लत ने तिगांव क्षेत्र की कालोनियों व ग्रामीण आंचल में रहने वाले लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। बिजली की कमी के चलते जहां लोग रात-रात भर जागने को मजबूर हो रहे है वहीं पानी की समस्या से भी उन्हें जूझना पड़ रहा है। लोगों से मिल रही बिजली संबंधी समस्याओं के मद्देनजर आज तिगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ललित नागर के नेतृत्व में क्षेत्र के लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता नरेश कक्कड़ से मुलाकात की और उन्हें बिजली की समस्याओं के बारे में अवगत करवाया। श्री नागर ने बताया कि पल्ला-सेहतपुर की कालोनियां हो या फिर ग्रामीण इलाका हो इन सभी क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति ना के बराबर हो रही है, जिसके चलते लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। बिजली की सुचारू आपूर्ति न होने से घरों में लगे इंवर्टर आदि भी ठप्प हो गए है, जिससे लोगों भारी परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जून का महीना चल रहा है और तापमान 48-50 डिग्री तक पहुंच रहा है, ऐसे में बिजली की किल्लत ने लोगों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। बुजुर्ग, बच्चे व मेहनतकश लोग जाग-जाग कर रातें गुजारने को मजबूर हो रहे है, लेकिन विभाग के कर्मचारी उनकी समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे। श्री नागर ने कहा कि क्षेत्र में जगह-जगह ट्रांसफार्मर जलने की शिकायत आ रही हैं, जले ट्रांसफार्मर की जगह नया ट्रांसफर लगाने में दो से तीन दिन लगाए जा रहे है, जिसके चलते भीषण गर्मी में लोगों का जन जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। श्री नागर ने बताया कि क्षेत्र में कई जगह प्लास्टिक की केबल लगी हुई है, जो कि गर्मी व बिजली की गर्मी से पिघल कर जल गई है, विभाग द्वारा बार-बार रिपेयर किए जाने से इन केबलों में कई कट लग गए है, जिससे शार्ट सर्किट होता रहता है और बिजली बार-बार बाधित होती रहती है और दुर्घटना का भी अंदेशा बना रहता है और जब एक बार बिजली चली जाती है तो फाल्ट ठीक करने में घण्टों का समय लग जाता है। पूर्व विधायक ललित नागर ने अधीक्षण अभियंता से मांग की कि भीषण गर्मी को देखते हुए वह तिगांव विधानसभा क्षेत्र के अंदर पर्याप्त बिजली आपूर्ति करवाएं और जहां-जहां केबल की दिक्कत है, वहां केबल बदलाएं और जहां ट्रांसफार्मर खराब है, वहां तुरंत ट्रासंफार्मर बदले जाएं ताकि लोग इस भीषण गर्मी में चैन से जीवन यापन कर सके। समस्याएं सुनने क बाद अधीक्षण अभियंता नरेश कक्कड़ ने पूर्व विधायक ललित नागर व अन्य लोगों से कहा कि वह मानते है कि बिजली की कमी चल रही है, गर्मी के कारण बिजली की मांग चार गुना बढ़ गई है, लेकिन पीछे से बिजली की सप्लाई कम आ रही है, ट्रासंफार्मरों पर ओवरलोड हो रहे है, जिसके चलते वह जल रहे है, इसी कारण बिजली के केबल भी हीट होने से फूंक रही है। इसके बावजूद भी वह उनकी समस्याओं को दूर करवाने के लिए भरसक प्रयास करेंगे। उन्होंने एक दो बारिश होने के बाद बिजली की व्यवस्था में सुधार होने की भी उम्मीद जताई। इस अवसर पर मुस्तिकिम प्रधान बसंतपुर, अशोक रावल, कमल सिंह चंदीला भतौला, बाबूलाल रवि, मनोज नागर तिगांव, प्रमोद करण, हमीद खान टिकावली, विजयपाल ठेकेदार रिवाजपुर, रोहताश चौधरी बादशाहपुर, सैयद रिजवान आजमी सेहतपुर, गंगा राम जाट खेडी, रविन्द्र वशिष्ठ, अभिलाष नागर सहित अनेकों ग्रामीण मौजूद थे।

भाजपा सरकार में पृथला क्षेत्र का हो रहा समुचित विकास : दीपक डागर

भाजपा नेता ने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर को जिताने पर जताया ग्रामीणों का आभार

फरीदाबाद। केंद्र में तीसरी बार एनडीए सरकार बनने और फरीदाबाद में जीत की हैट्रिक लगाने वाले कृष्णपाल गुर्जर की जीत से भाजपा नेताओं में एक नए जोश संचार हुआ है और उन्होंने अब मिशन हरियाणा की तैयारियां शुरू कर दी है। इसी कड़ी में पृथला विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक डागर ने आज क्षेत्र के गांव अलावलपुर व पन्हेड़ा खुर्द में दौरा करके लोकसभा चुनावों में भाजपा के पक्ष में मतदान करने पर ग्रामीणों का आभार जताया। इस दौरान ग्रामीणों ने दीपक डागर का सम्मान रुपी पगड़ी बांधकर एवं फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए दीपक डागर ने कहा कि देश में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनाकर जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के स्वप्न पर अपने विश्वास की मोहर लगा दी है, लोगों ने यह साबित कर दिया कि वह भारत को विश्व में मजबूत और उन्नत देश के रुप में देखना चाहते है। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के आशीर्वाद से केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने समूचे जिले के साथ-साथ पृथला विधानसभा क्षेत्र में भरसक विकास कार्य करवाए, जिस-ाकी बदौलत यहां के मतदाताओं ने बढ़चढकर उनके पक्ष में मतदान कर उन्हें पौने दो लाख मतों से जिताने में अपनी भागेदारी निभाई। उन्होंने कहा कि मोदी कैबिनेट में शामिल होने के बाद अब पूर्व की तरह केंद्रीय राज्यमंत्री पृथला क्षेत्र में रिकार्ड स्तर पर विकास कार्य करवाकर इस क्षेत्र में फरीदाबाद की सबसे विकसित विधानसभा बनाने का काम करेंगे। इस दौरान ग्रामीणों ने दीपक डागर के समक्ष अपनी समस्याएं रखते हुए बताया कि गांवों में लाईटें नहीं होने के कारण रातभर अंधेरा रहता है, जिससे असामाजिक तत्व सक्रिय रहते है, इसलिए यहां लाईटें लगवाई जाए वहीं मानसून आने वाला है और नाले-नालियों की सफाई नहीं हुई है जिससे जलभराव की समस्या से लोगों को जूझना पड़ सकता है इसलिए उनकी सफाई करवाई जाए, इस पर दीपक डागर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जेसीबी की माध्यम से नाले-नालियों की सफाई करवा दी जाएगी वहीं गांवों में हाई मास्क लाइटें भी लगाई जाएगी ताकि अंधेरा न रहे वहीं उन्होंने कहा कि गांव की जो गलियां कच्ची है ,उन्हें भी पक्का करवाया जाएगा, अभी हाल ही में उन्होंने फतेहपुर बिल्लौच व मोहना में गलियां पक्की करवाई है। उन्होंने कहा कि वह पिछले 10-12 सालों से एक लायक बेटे की तरह क्षेत्र की सेवा में समर्पित है और भाजपा के सिपाही के रुप में कार्य कर रहे है,

अगर जनता ने उन्हें आशीर्वाद देकर विधानसभा भेजा तो वह इस क्षेत्र के विकास की आवाज को पुरजोर तरीके से हरियाणा विधानसभा पटल पर उठाने का काम करेंगे।

आरएसएस और भाजपा के बीच मतभेदों का सिलसिला कब रुकेगा?

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के मतभेद अब खुलकर सामने आ चुके हैं। यह स्थिति दोनों के लिए सामाजिक और राजनीतिक रूप से हानिकारक साबित होगी, जिसकी शुरूआत लोकसभा चुनाव 2024 से हो चुकी है। इस बदलती परिस्थिति के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है और कितना जिम्मेदार है, यह पड़ताल करने का काम दोनों संगठनों के प्रमुखों का है, लेकिन अब तो इन दोनों के बीच ही तलवारें खींच चुकी हैं।

मसलन, पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चुनावी भूमिका को लेकर जो कुछ टिप्पणी की, और अब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर में भाजपा की अदूरदर्शी भूमिका को लेकर जो कुछ इशारे किये हैं, उससे जाहिर होता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसका राजनीतिक मुखौटा समझी जाने वाली भारतीय जनता पार्टी के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। यह हिंदुत्व और राष्ट्रवाद जैसी विचारधारा के लिए संकटापन्न स्थिति है, जिस-का सम्यक हल निकट भविष्य में निकलेगा, ऐसा मुझे नहीं लगता। क्योंकि देश के दोनों प्रमुख संगठन सत्ता सुख की मृगमरीचिका में भटकते हुए इतना आगे निकल चुके हैं कि वापस लौटना अब उनके बस की बात नहीं! यहां संघ को यह सोचना होगा कि आखिर बाजपेयी से लेकर मोदी तक के सत्ता में आते ही उनसे खटपट क्यों हो जाती है? आखिर वह कौन सा यक्ष प्रश्न होता है, जिसके समक्ष घुटने टेकने से भारतीय प्रधानमंत्री इंकार कर देते हैं, जहां से कलह की शुरूआत होती है। पुरानी बातें यदि भुला भी दी जाए तो संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयानों से दोनों के बीच बढ़ती दूरी भी साफ दिखी है। क्योंकि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संकेत में ही भाजपा को नसीहत भी दी है और सरकार के कामकाज के तरीकों से लेकर और संगठन में मची आपाधापी तक पर परोक्ष रूप से नाराजगी भी दिखाई है। हालांकि समझदार व्यक्ति होने के चलते उन्होंने खुलकर कुछ भी नहीं कहा है, इसलिए दोनों ही पक्ष इस मुद्दे पर ज्यादा नहीं बोल रहे हैं। लेकिन जिन्हें इनका तल्ख अतीत और स्वार्थी रवैया मालूम है, वो ह से हलन्त तक समझ जाते हैं। यह कौन नहीं जानता कि लोकसभा चुनाव 2024 में नतीजे यदि भाजपा की उम्मीद के विपरीत आए हैं, तो इसके पीछे कहीं न कहीं संघ के स्वयंसेवकों का उदासीन रवैया भी जिम्मेदार है। यही वजह है कि अब भाजपा और संघ के बीच स्पष्ट रूप से मतभेद उभरते दिखाई दे रहे हैं। जानकारों की मानें तो आमतौर पर चुनावी प्रक्रिया के दौरान भाजपा और संघ के बीच जिस तरह का समन्वय और सामंजस्य होता था, वह इस बार दिखाई नहीं दिया। आखिर ऐसा क्यों? वहीं, भाजपा और संघ के बीच अक्सर होने वाली उच्च स्तरीय समन्वय बैठकें भी काफी समय से नहीं हुई हैं। स्वाभा-विक सवाल है कि आखिर ये बैठकें तय वक्त पर क्यों नहीं हुईं। क्या इसके पीछे एक दूसरे को सबक सिखाने की मंशा रही है, जो 2004 के बाद 2024 में भी साफ दिखी। अंतर सिर्फ इतना कि तब 'कुलीन' मिजाज वाले प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी एक ही झटके में धराशायी हो गए। जबकि आज 'कुटिल' मिजाज वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धराशायी होते-होते बच गए। स्वाभाविक है कि इसकी अनुगूंज अगले 5 सालों तक सुनाई पड़ती रहेगी। कहना न होगा कि इन सब बातों के बीच संघ को लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का बयान भी काफी चर्चित रहा है, जिससे भी संघ के भीतर नाराजगी साफ दिखाई दी है। यही वजह है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत के हाल में एक बयान को लेकर दोनों के बीच के रिश्तों को लेकर कई तरह के अर्थ लगाए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुनाव के दौरान संघ को लेकर की गई टिप्पणी से भी दोनों पक्षों के रिश्तों में कड़वाहट आई है, जिसका असर मतदान के आखिरी तीन चरणों में दिखाई दिया। वहीं, अंदरूनी स्तर पर इस बात की काफी चर्चा है कि आखिर के तीन चरणों में संघ ने उतना मन लगाकर काम नहीं किया, जितना कि वह पहले कर रहा था। स्वाभाविक है कि इसका असर मतदान पर भी पड़ा है। हालांकि संघ ने इस तरह की अटकलों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, और भाजपा भी इससे पूरी तरह से सहमत नहीं है। फिर भी आलम यह है कि मोहन भागवत के बयान के बाद भले ही दोनों पक्ष ज्यादा कुछ नहीं बोल रहे हैं, लेकिन अंदरूनी तौर पर चर्चा में यह दिखता है कि दोनों के बीच अब सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। खास बात यह कि इस बारे में संघ के भीतर भी अलग-अलग राय दिखती है। सीधा सवाल है कि क्या यह स्थिति खुद संघ के लिए सही है। जवाब होगा, कतई नहीं! जानकारों के मुताबिक, संघ ने जिन मुद्दों पर नाराजगी जताई है, उनमें भाजपा व संघ के बीच समन्वय की कमी है। सवाल है कि दोनों के बीच समन्वय बैठकें बेहद कम होने के लिए कौन जिम्मेदार है, इसका निर्धारण कौन करेगा। वहीं, विभिन्न उम्मीदवारों को लेकर संघ की सलाह को नजरअंदाज करने के लिए जिम्मेदार कौन है? क्या उसे यह स्पष्ट नहीं करना चाहिए कि अपने मातृ संगठन के सलाह व सूझाव को विनम्रता पूर्वक टालने का भी एक अपना तरीका होता है, ताकि वह किसी को नागवार नहीं गुजरे। लेकिन यहां तो प्रथमदृष्टया यही प्रतीत हो रहा है कि भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा ने न केवल संघ की भावनाओं की अनदेखी की, बल्कि अपने तल्ख बयानों से उल्टे संघ को ही आईना दिखाने की कोशिश की, जो संघ प्रमुख मोहन भागवत को नागवार गुजरी। इसलिए उन्होंने भी नहले पर दहला की तर्ज पर सरकार बनते ही उसे आईना दिखा दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, संघ ने कृपा शंकर सिंह समेत लगभग दो दर्जन नामों पर आपत्ति जताई थी। इसके पहले वह आर के सिंह पर आपत्ति जता चुका था, हालांकि वह तब चुनाव जीत गए थे। इसके अलावा, दूसरे दलों से और इधर-उधर से बेलगाम तरीके से लोगों को भाजपा में शामिल करना, जिससे भाजपा कॉडर और पुराने कार्यकर्ताओं में उपेक्षा का भाव पैदा हुआ, क्योंकि उनको तरजीह न मिली। इसके अलावा, चुनाव अभियान में कमी के भी कई मुद्दे शामिल रहे। समझा जाता है कि इन्हीं वजहों से 2014 और 2019 के उलट 2024 में भाजपा को स्पष्ट बहुमत से 32 सीटें कम मिलीं, जिससे वह एनडीए के सहयोगी दलों की बैशाखी पर टिकने को अभिशप्त हो गई। बता दें कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 10 जून 2024 दिन सोमवार को मणिपुर की हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा था कि वहां पर एक साल से अशांति है। राज्य में पिछले 10 साल की शांति भंग हुई है। इसलिए भागवत ने नेताओं को अहंकार न पालने और काम करने की नसीहत भी दी थी। वहीं, उन्होंने परोक्ष रूप से विपक्ष के रवैये पर भी सवाल खड़े किए थे, लेकिन कुछ बयानों को भाजपा से जोड़कर देखा गया। हालांकि, संघ का कहना है कि सामाजिक जीवन में काम कर रहे संघ की यह सामान्य प्रक्रिया है और इसे किसी राजनीतिक दल से जोड़ना उचित नहीं है। इसलिए सवाल तो यह भी पैदा हो रहा है कि भारतीय राजनीति में एक बार फिर से क्षेत्रीय दलों के मजबूत होने से संघ के समीकरण गड़बड़ा चुके हैं, जिसको वह अपनी तल्ख बयानबाजी से दुरुस्त करने की कोशिश कर रहे हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस से जुड़ी पत्रिका 'ऑर्गनाइजर' ने दो टूक कहा है कि लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के अति आत्मविश्वासी कार्यकताओं और कई नेताओं का सच से सामना कराने वाले हैं। वजह यह कि भाजपा नेता और कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभामंडल के आनंद में डूबे रह गए और उन्होंने आमजन की आवाज को अनदेखा कर दिया, जिसका परिणाम सामने है। अब तो संघ यहां तक स्वीकार कर चुका है कि आर-एसएस भले ही भाजपा की जमीनी ताकत न हो, लेकिन पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने चुनावी कार्य में सहयोग मांगने के लिए स्वयंसेवकों से संपर्क तक नहीं किया। इतना ही नहीं, चुनाव परिणामों में उन पुराने समर्पित कार्यकताओं की उपेक्षा भी स्पष्ट है, जिन्होंने बगैर किसी लालसा के काम किया। इनके स्थान पर इंटरनेट मीडिया तथा सेल्फी संस्कृति से सामने आए कार्यकताओं को महत्व दिया गया। जिसका साइड इफेक्ट अब जगजाहिर हो चुका है। आरएसएस के आजीवन सदस्य रतन शारदा ने तो यहां तक कह दिया है कि 2024 के आम चुनाव के परिणाम अति आत्मविश्वास से भरे भाजपा कार्यकताओं और कई नेताओं के लिए सच्चाई का सामना कराने वाले हैं। क्योंकि उन्हें इस बात का एहसास तक नहीं था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 से अधिक सीटों का आह्वान उनके लिए एक लक्ष्य था और विपक्ष के लिए एक बड़ी चुनौती थी। यह बात दीगर है कि भाजपा लोकसभा चुनाव में 240 सीटों के साथ बहुमत से दूर रह गई। लेकिन उसके नेतृत्व वाले राजग को 293 सीटें मिली हैं और उसने केंद्र में सरकार बनाई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनावी जीत इंटरनेट मीडिया पर पोस्टर और सेल्फी साझा करने से नहीं, बल्कि मैदान पर कड़ी मेहनत से हासिल किए जाते हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के पीछे अनावश्यक राजनीति को भी कई कारणों में से एक बताया और उदाहरण दिया कि, 'महाराष्ट्र अनावश्यक राजनीति और ऐसी जोड़तोड़ का एक प्रमुख उदाहरण है जिससे बचा जा सकता था। यहां अजित पवार के नेतृत्व वाला राकांपा गुट भाजपा में शामिल हो गया, जबकि भाजपा और विभाजित शिवसेना (शिंदे गुट) के पास स्पष्ट बहुमत था। शरद पवार दो तीन साल में फीके पड़ जाते, क्योंकि राकांपा अपने भाइयों के बीच अंदरूनी कलह से ही कमजोर हो जाती। सीधा सवाल है कि 'आखिर यह गलत सलाह वाला कदम क्यों उठाया गया? क्योंकि इससे वो भाजपा समर्थक आहत थे, जिन्होंने वर्षों तक कांग्रेस की विचारधारा के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, उन्हें सताया गया था। इस प्रकार एक ही झटके में भाजपा ने अपनी ब्रांड वैल्यू कम कर दी।' जिसका दुष्प्रभाव यह हुआ कि भाजपा ने इस चुनाव में महाराष्ट्र में खराब प्रदर्शन किया। क्योंकि वह कुल 48 में से 2019 के 23 निर्वाचन क्षेत्रों के मुकाबले केवल 9 सीटें जीत सकी। शिंदे गुट के नेतृत्व वाली शिवसेना को 7 सीटें और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को सिर्फ एक सीट मिली है। रतन शारदा के मुताबिक, भगवा आतंकवाद को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने वाले, हिंदुओं पर अत्याचार करने वाले, 26/11 को आरएसएस की साजिश कहने वाले तथा आरएसएस को आतंकवादी संगठन बताने वाले कांग्रेसियों को भाजपा में शामिल करने जैसे फैसलों ने भाजपा की छवि को खराब किया और इससे आरएसएस से सहानुभूति रखने वालों को भी बहुत चोट पहुंची। उन्होंने यहां तक कह दिया कि आर-एसएस भाजपा की जमीनी ताकत नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के अपने कार्यकर्ता हैं। मतदाताओं तक पहुंचने, पार्टी का एजेंडा समझाने, साहित्य बांटने और वोटर कार्ड बांटने जैसे नियमित चुनावी कार्य पार्टी की जिम्मेदारी हैं। उल्लेखनीय है कि अब आरएसएस उन मुद्दों के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ा रहा है जो उन्हें और राष्ट्र को प्रभावित करते हैं। यदि उसकी सियासी अभिरुचि की बात की जाए तो 1973-1977 की अवधि को छोड़कर आरएसएस ने कभी भी सीधे राजनीति में भाग नहीं लिया। क्योंकि उसने यह जिम्मेदारी भाजपा पर छोड़ रखी है। इस बार भी आधिकारिक तौर पर तय किया गया था कि आर-एसएस कार्यकर्ता 10-15 लोगों की स्थानीय, मोहल्ला, कार्यालय स्तर की छोटी-छोटी बैठकें आयोजित करेंगे और लोगों से कर्तव्य के तौर पर मतदान करने का अनुरोध करेंगे। इसमें राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रवादी ताकतों को समर्थन के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। अकेले दिल्ली में इस तरह की 1.20 लाख सभाएं आयोजित की गईं। जिसका परिणाम यह हुआ कि यहां की सातों सीटें भाजपा की झोली में चली गई। इसके अलावा, चुनाव कार्य में आरएसएस स्वयंसेवकों का सहयोग लेने के लिए भाजपा कार्यकताओं, स्थानीय नेताओं को अपने वैचारिक सहयोगियों तक पहुंचने की आवश्यकता थी, मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया। यही वजह है कि भाजपा को चुनावी झटका लगा और यह साबित हो गया कि वह अपराजेय नहीं रही। लोग-बाग पूछ रहे हैं कि क्या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के मतभेदों का ये सिलसिला कभी थमेगा, या फिर यूं ही चलता रहेगा! क्या इसके पीछे नौकरशाही की कोई भूमिका है या फिर कोई अंतर्राष्ट्रीय दबाव, जो पद और गोपनीयता की शपथ के चलते आमलोगों के सामने नहीं आ पा रहे हैं। कभी गौ रक्षकों की पीठ पर से हाथ खींचने, कभी 'भेदभावी' आ-रक्षण के समर्थन में खड़े दिखने, कभी तुष्टिकरण की सियासत को संतुष्टिकरण करार देने के पीछे सत्ता का असली मकसद क्या है, यह तो वही जाने, लेकिन इसका जो साइड इफेक्ट्स होगा, वह संघ के साथ साथ भाजपा को भी प्रभावित करेगा, जिसकी शुरूआत लोकसभा चुनाव परिणाम 2024 से हो चुकी है। यदि दोनों संगठन प्रमुखों ने आ बैल मुझे मार वाली कहावत को चरितार्थ किये तो यह क्रूर इतिहास उन्हें भी नहीं बख्शेगा, इतनी समझ तो उनमें भी होगी, होनी भी चाहिए।

संपादकीय

'सुप्रीम' फैसला

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 में फिलहाल काउंसलिंग जारी रखने का सर्वोच्च अदालत का निर्णय बिल्कुल उचित है। इस परीक्षा के परिणाम में कई सारी गड़बड़ियों की बात पिछले कई दिनों से सोशल मीड़िया और मेन स्ट्रीम मीड़िया की सुर्खियां बनी हुई है। प्रवेश परीक्षा में शामिल विद्यार्थी परिणाम में धांधली को लेकर छात्र काफी नाराज चल रहे हैं। दरअसल, नीट यूजी प्रश्नपत्र लीक होने की खबरों के बीच अभ्यर्थियों के एक समूह ने नए सिरे से एनईईटी-यूजी 2024 परीक्षा कराने की मांग करते हुए सर्वोच्च अदालत का रु ख किया। गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कोर्ट में याचिका दाखिल की है कि नीट यूजी 2024 रिजल्ट को वापस लिया जाए और फिर से परीक्षा कराई जाए। गौरतलब है कि नीट परीक्षा पांच मई को हुई थी और चार जून को रिजल्ट आया था। तभी से कई शिकायतें सामने आई, जिसमें पेपर लीक की बातें कही गइ। किसी भी परीक्षा की पवित्रता और विश्वसनीयता होती है। हाल के वर्षों में यह देखा गया है कि ज्यादातर प्रवेश परीक्षा और नौकरियों के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में या तो प्रश्न पत्र लीक हुए या उनमें जमकर धांधली की गई। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश इस मामले में खासे बदनाम हैं। इसलिए सरकार को अब बिना वक्त गंवाए ऐसे मामलों में सख्ती दिखानी होगी। शीर्ष अदालत ने फिलवक्त राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को नोटिस जारी करते हुए ये कहा कि वह इस मामले में आठ जुलाई तक जवाब दाखिल करे। हालांकि अदालत ने न तो परीक्षा रद करने को लेकर कोई फैसला सुनाया न काउंसलिंग पर रोक लगाई। एक बात तो साफ तौर पर परिलक्षित होती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं का स्तर काफी निम्न हुआ है। यह चिंता का सबब भी है और शमिंदगी का भी। बच्चों की अनथम मेहनत और परिवारवालों का अनकहा संघर्ष ऐसे धत कर्म से एक झटके में खत्म हो जाता है। इस मसले पर भी अदालत और सरकार को ज्यादा संवेदना के साथ दिखना होगा। निश्चित तौर पर अदालत के समक्ष कई लाख बच्चों और उनके घरवालों का भरोसा भी है। एनटीए देश में प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करने वाली शीर्ष संस्था है। उसका भी बहुत कुछ दांव पर लगा है। इसलिए उसके जवाब का इंतजार तो करना ही होगा। अगर कोर्ट को लगेगा कि एनटीए की कार्यशैली में कमी है, तो नए सिरे से परीक्षा का आयोजन कराने के अतिरिक्त और कोई रास्ता नहीं रहेगा।

चिंतन-मनन

धर्म का मूल केंद्र है वर्तमान

धर्म जगत ने धर्म को केवल परलोक के साथ जोड़कर भारी भूल की है। इसका परिणाम यह हुआ कि धर्म का असली प्रयोजन तिरोहित हो गया। वह स्वर्ग-सुखों के प्रलोभन और नरक-दुख के भय से जुड़ गया। हर धर्म-प्रवर्तक ने धर्म को जीवन से जोड़ा, किंतु धर्म-परंपराओं ने उसे स्वर्ग और नरक से जोड़ दिया। धर्म का मूल केंद्र वर्तमान है न कि भूत और भविष्य। हम वर्तमान क्षण को कैसे जियें, धर्म का सारा दर्शन इसी पर टिका हुआ है। वर्तमान विषम है तो भविष्य भी विषम होगा। यदि वर्तमान सम और सुखमय है तो भविष्य भी सम और सुखमय ही होगा। यानी भविष्य वैसा ही होगा जैसा वर्तमान है। इसीलिए धर्म का असली प्रयोजन वर्तमान को सजाने-संवारने का है। इस केंद्रीय विचार से भटक जाने के कारण धर्म भूत और भविष्य में उलझ गया। वर्तमान को उसने बिल्कुल ही भुला दिया। इसलिए लोगों ने वर्तमान को केवल अतीत का परिणाम मान लिया। इससे भाग्यवाद की विचारधारा का जन्म हुआ। भाग्य को बदला नहीं जा सकता, इसलिए वे वर्तमान से विमुख हो गए और भविष्य की चिंता में पड़ गए। जिसके पास कोठी, महंगी कार और विदेशों में छुट्टी मनाने के साधन हैं, वे अतीत के परिणाम हैं। जो वैभव-संपन्न नहीं हैं, वे जप-तप में इसलिए लगे हैं ताकि भविष्य में भी साधन-संपन्न बन सकें। ऐसे में धर्म का पूरा उद्देश्य ही बदल गया। जो आत्म-केंद्रित था, वह वस्तु-केंद्रित हो गया। जो वस्तु-विमुख था, वह वस्तु-सम्मुख बन गया। इसी विचार के फलस्वरूप धर्म के नाम पर व्यापार और सौदेबाजी चलने लगी। जहां भी प्रलोभन और भय है वहां धर्म नहीं है।

भूमि पुनर्स्थापन से जलवायु परिवर्तन का घटता स्तर

डॉ. शंकर सुवन सिंह

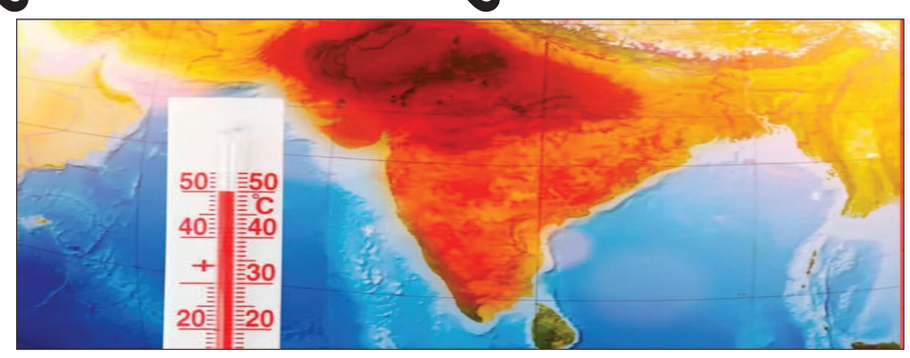

पर्यावरण जीवन का अभिन्न हिस्सा है। भूमि, पर्यावरण का एक महत्वपूर्ण घटक है। भूमि की उपयोगिता कृषि के साथ साथ वन्य जीवों के आवास, जल संरक्षण और जलवायु विनियमन में भी होती है। पिछले कुछ दशकों में भूमि का अत्यधिक दोहन और गलत प्रबंधन ने इसे गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है। भूमि पुनर्स्थापन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हम पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक लाभों को पुनःस्थापित करने का प्रयास करते हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण से भूमि का अत्यधिक दोहन होता है। जब भूमि का अत्यधिक दोहन होता है तो उसकी उर्वरता घट जाती है। वनों की अंधाधुंध कटाई से मिट्टी का क्षरण होता है। जिससे जलवायु परिवर्तन का खतरा बढ़ जाता है। प्रदूषण के कारण भी भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है। बंजर भूमि का बढ़ना, खाद्य सुरक्षा में कमी और जैव विविधता का नाश, भूमि क्षरण के कारण होता है। तीव्र सूखा, पानी की कमी, भीषण आग, समुद्र का बढ़ता स्तर, बाढ़, ध्रुवीय बर्फ का पिघलना, विनाशकारी तूफान और घटती जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन के परिणामों का ही हिस्सा है। अतएव भूमि क्षरण, सूखा और मरुस्थलीकरण के कारकों, जैसे जलवायु परिवर्तन को भी समाप्त करना होगा। भूमि पुनर्स्थापन एक जटिल प्रक्रिया है। जिन्हे निम्नलिखित कुछ ठोस उपायों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है- 1. वनों की कटाई को रोकना और नए वृक्षारोपण कार्यक्रम शुरू करना 2. मिट्टी के संरक्षण के लिए टेरेसिंग (सीढ़ीदार खेती), कवर क्रॉपिंग (मिट्टी को ढकने के लिए लगाई गईं फसलें या पौधे) और कम जुताई जैसी तकनीकों का उपयोग, 3. जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के माध्यम से जल संसाधनों का उचित प्रबंधन, 4. स्थानीय समुदायों को भूमि पुनर्स्थापन के प्रयासों में शामिल करना। भूमि क्षरण एक गंभीर पर्यावरणीय समस्या है जो वैश्विक स्तर पर पर्यावरण, समाज और अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है। भूमि क्षरण जलवायु परिवर्तन को भी प्रभावित करता है। जब मिट्टी की गुणवत्ता घटती है, तो उसकी कार्बन को अवशोषित करने की क्षमता भी कम होती है। इसके परिणामस्वरूप वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ती है, जो ग्रीनहाउस गैसों के स्तर को बढ़ाकर जलवायु परिवर्तन को तेज करता है। भूमि पुनर्स्थापन एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें सरकार, गैर-सरकारी संगठन, और नागरिक समाज की भागीदारी आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि हमारी भूमि की स्थिति हमारे पर्यावरण, हमारी अर्थव्यवस्था, और हमारे समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। सतत कृषि, मृदा संरक्षण, और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से हम भूमि पुनर्स्थापन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। अतएव हम कह सकते हैं कि भूमि पुनर्स्थापन से जलवायु परिवर्तन का स्तर घट रहा है।

शेयर बाजार : स्थिर सरकार से है सीधा संबंध

ऋषभ मिश्रा

बीता हफ्ता शेयर बाजार के लिए अभूतपूर्व रहा। इस दौरान इसने गिरने और उछलने के दोनों रिकॉर्ड तोड़ दिए। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं था जब बाजार ने इतना तीव्रता से परिवर्तन (शार्प रिएक्ट) किया हो। दरअसल, पिछले एक हफ्ते यानी कि एग्जिट पोल आने के बाद से ही शेयर बाजार में जबरदस्त उठापटक देखने को मिली है। एग्जिट पोल आने के अगले कारोबारी दिन (3 जून) को शेयर बाजार में उछाल देखा गया, लेकिन उसके अगले दिन यानी मतगणना के दिन बाजार में हाहाकार मच गया। उस दिन बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी 8 फीसद से भी ज्यादा अंकों से नीचे लुढ़क गया। जिस वजह से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों की मार्केट कैप में 31 लाख करोड़ रु पए की कमी देखी गई। हालांकि उसके अगले तीन दिनों में बाजार में शानदार रिकवरी देखी गई और 7 जून को तो बीएसई सेंसेक्स अपने सर्वोच्च स्तर पर (आल टाइम हाई) यानी कि 76,693 अंक के आंकड़ों पर पहुंच गया।

शेयर बाजार में इतनी तेजी से (शार्प) उठापटक को सामान्य तो बिल्कुल नहीं कहा जा सकता। मगर यह कोई अनहोनी भी नहीं है, इस स्तर की या थोड़ी कम-ज्यादा उठा-पटक अथवा उतार-चढ़ाव पहले भी होता आया है। शेयर बाजार को प्रभावित करने वाले कारक अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन इसे ऊपर या नीचे करने वाले बड़े निवेशकों में से अहम हिस्सेदारी संस्थागत निवेशकों की होती है। ये निवेशक बड़े वित्तीय संस्थान पेंशन फंड, इंश्योरेंस कंपनियां, म्युचुअल फंड, हेज फंड वगैरह होते हैं। ये देसी और विदेशी दोनों हो सकते हैं। इनके पास कंपनियों की माली स्थिति से लेकर देश के आर्थिक राजनीतिक परिदृश्य वगैरह को समझने और उसकी थाह लेने के लिए पर्याप्त संसाधन और सक्षम टीम होती है। इसलिए ये ऐसी स्थिति को भांपकर बाजार में अपनी चाल तय करते हैं, और उन्हीं की चालों से बाजार की गति भी तय होती है। अब सवाल यह है कि वे कौन से प्रमुख कारक होते हैं, जिनसे शेयर बाजार अचानक इतना 'रिएक्ट' करता है और निवेशकों की कमाई को एक झटके में ऊपर या नीचे पहुंचा देता है। किसी देश की अर्थव्यवस्था का सीधा संबंध वहां के सियासी हालात से होता है। अगर देश में सियासी स्थितियां स्थिर होती हैं, तो बाजार को मजबूती मिलती है। खासकर विदेशी निवेशक घरेलू शेयर बाजार में निवेश करने से पहले उस देश की राजनीतिक परिस्थितियों पर गौर करते हैं। सियासी हालात प्रतिकूल महसूस होने पर वे बजार से दूर भागने लगते हैं। उदाहरण के रूप में बीते हफ्ते यानी ३ जून को सेंसेक्स 2507 अंकों यानी 3.55 फीसद की बढ़त पर बंद हुआ। वजह थी एग्जिट पोल में मोदी सरकार की हैट्रिक बनने की संभावना, लेकिन जब अगले ही दिन यानी 4 जून को भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला तो राजनीतिक अस्थिरता की आशंका गहरा गई, और सेंसेक्स 4,389 अंक गिरकर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय आर्थिक घटनाएं: किसी भी देश की अर्थव्यवस्था बंद नहीं रह सकती। वैश्विक स्तर पर होने वाली आर्थिक गतिविधियों का असर भारतीय बाजारों पर भी पड़ता है। वर्ष 2008 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारी मंदी छाई रही, जिसके असर से भारत भी नहीं बच सका था। साल भर में बीएसई सेंसेक्स में कुल मिलाकर 63 फीसद की गिरावट दर्ज हुई थी। यह 2007 के 20,000 प्वाइंट्स से गिरकर 7,700 तक पहुंच गया था। उदाहरण के तौर पर लगातार बढ़ रहे बीएसई सेंसेक्स ने 24 अगस्त 2015को अचानक से 1,625 अंकों की डुबकी लगा ली। यह गिरावट आज के हिसाब से 3,000 अंकों से भी अधिक की होती। इसकी वजह थी चीनी मुद्रा 'युआन' का अवमूल्यन। इससे चीन की अर्थव्यवस्था में सुस्ती की आशंका गहरा गई। जिसने भारतीय बाजार को भी अपनी चपेट में ले लिया।

अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिः वैश्विक स्तर पर होने वाली भू-राजनितिक गतिविधियों का भी सीधा असर शेयर बाजार पर होता है। मौजूदा समय में मध्य पूर्व में चल रहे इस्त्राइल हमास युद्ध और यूक्रेन रूस सैन्य संघर्ष इसी तरह के भू-राजनीतिक फैक्टर हैं। इस तरह के तनाव ग्लोबल अर्थव्यवस्था पर जबरदस्त नेगेटिव प्रभाव डालते हैं, जिसके फलस्वरूप शेयर बाजार पर दबाव बनता है। उदाहरण के रूप में 24 फरवरी 2022 को एक रात पहले रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले की खबर आई और इसके अगली ही सुबह भारत के शेयर बाजार पर भी 'नेगेटिव सेंटिमेंट्स' का जबरदस्त हमला हो गया। एक दिन में ही बीएसई सेंसेक्स में 2,702 अंकों की गिरावट आ गई। तेजी में निवेश करना आम निवेशकों के लिए आमतौर पर फायदेमंद नहीं होता है। यदि उस समय निवेश करना भी है तो ऐसे शेयरों से बचना चाहिए जो अपने उच्चतम स्तर के आस-पास हों।

कैबिनेट मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने ली बैठक, बिजली और पेयजल व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

रेवाड़ी। हरियाणा के जनस्वास्थ्य मंत्री डॉ. बनवारी लाल वीरवार को जिला मुख्यालय स्थित लघु सचिवालय सभागार में जिला की विकास परियोजनाओं सहित मूलभूत सुविधाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि पानी प्रदेश की जनता की मूलभूत आवश्यकता है और जीवन का आधार है।

अधिकारियों को चाहिए कि वे प्रदेश की जनता के घरों में पेयजल की पर्याप्त मात्रा में सप्लाई सुनिश्चित करें। संबंधित अधिकारी ग्रामीण व शहरी परिवेश में बिजली व्यवस्था को बनाए रखते हुए जलापूर्ति सुचारू रखें ताकि गर्मी में आमजन को परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि यह भी ध्यान रखा जाए कि लोगों के घरों में गंदे पानी की सप्लाई न हो और स्वच्छ पेयजल हर घर तक पहुंचे। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां आवश्यकता हो वहां नई पेयजल पाइप लाइन डाली जाए। साथ ही बिजली निगम के अधिकारियों को अघोषित कटों पर अंकुश लगाने के साथ ही बिजली के पुराने खंबों व तारों को बदलने के निर्देश दिए गए।

विकास परियोजनाएं निर्धारित अवधि में पूर्ण हों : लोक निर्माण मंत्री

बैठक में हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री बनवारी लाल ने जिला की विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग जिला में जितनी भी विकास परियोजनाएं लंबित हैं उन्हें निर्धारित समयावधि में पूरा करें। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं हो इस बात को सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी संबंधित विभाग विकास योजनाओं के मद्देनजर आपसी तालमेल के साथ कार्य पूर्ण करें। उन्होंने बैठक में लोक निर्माण, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, ग्रामीण विकास विभाग, शहरी निकाय सहित अन्य सभी विभागों द्वारा करवाई जा रही विकास परियोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की।

स्वास्थ्य मंत्री ने करनाल सिविल अस्पताल का किया निरीक्षण, ट्रामा सेंटर में अधिकारियों को दिए निर्देश

करनाल। करनाल जिला नागरिक अस्पताल का स्वास्थ्य मंत्री कमल गुप्ता ने औचक निरीक्षण किया। नागरिक अस्पताल में मिली कुछ खामियों को दूर करने के लिए सिविल सर्जन डॉ. कृष्ण कुमार को निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री के औचक निरीक्षण से अस्पताल के अधिकारियों व कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य मंत्री के अस्पताल से जाने के बाद अधिकारियों व कर्मचारियों ने राहत की सांस ली।

वीरवार को दोपहर दो बजे स्वास्थ्य मंत्री कमल गुप्ता ने जिला नागरिक प्रवेश किया और करीब आधे घंटे तक अस्पताल परिसर में ही रहे। सबसे पहले उन्होंने ओपीडी ब्लॉक में स्थापित आयुष विभाग की आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक डिस्पेंसरी का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने आयुष विभाग की ओपीडी को बढ़ाने और दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक रखने की हिदायत दी। इसके बाद उन्होंने सीधे ट्रामा सेंटर का निरीक्षण किया। जहां पर ड्यूटी पर कार्यरत डॉक्टरों व स्टाफ से बातचीत की। ट्रामा सेंटर की ओटी भी देखी। वहीं ट्रामा सेंटर के परिसर में स्वास्थ्य मंत्री ने ओर अधिक सफाई रखने की हिदायत दी क्योंकि यहां पर गंभीर रूप से घायल मरीजों का इलाज होता है। ऐसे में गंदगी होने से उनके स्वास्थ्य पर बहुत असर पड़ता है। इसके बाद मंत्री ने ओपीडी ब्लॉक का निरीक्षण किया। उन्होंने एक-एक कर सभी ओपीडी की जांच की और डॉक्टरों से मुलाकात की।

मंत्री ने डिस्पेंसरी की तारीफ की

स्वास्थ्य मंत्री ने नागरिक अस्पताल की डिस्पेंसरी का निरीक्षण किया। डिस्पेंसरी की दवाइयां अल्फाबेट अनुसार क्रमवार लगे होने पर उन्होंने वरिष्ठ फार्मेसी अधिकारी ममता त्यागी व उनकी टीम की तारीफ की। वहीं सेंट्रल स्टोर से वरिष्ठ फार्मेसी अधिकारी राजेश सिंगला से डिस्पेंसरी के लिए पर्याप्त दवाओं का स्टॉक रखने की हिदायत दी। उन्होंने हार्ट, पेन किल्लर सहित अन्य दवाओं का स्टॉक की जानकारी ली।

सेवानिवृत एसपी मातादीन यादव के निधन पर विधायक ने जताया शोक

कनीना सुनील दीक्षित

भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री जसवंत सिंह बब्लू के पिता सेवानिवृत एसपी के आक्सिमिक निधन पर पार्टी नेताओं तथा समाज के प्रबुधजनों ने शोक जताया है। संजय जोशी, हलका विधायक सीताराम यादव ने उनके रेवाडी रोड स्थित आवास पंहुचकर उनके चित्र पर श्रधासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि जन्म-मृत्यू तथा लाभ-हानि विधाता के अधीन है। उनकी रस्म पगडी 23 जून को आयोजित की जायेगी। उनके निधन पर भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव, पूर्व जिला प्रधान राकेश शर्मा,पूर्व चेयरमैन राजकुमार कनीनवाल, सूबेदार मुनीलाल शर्मा,बाबूलाल मुंडिया खेडा,पूर्व डीडीपीओ धर्मबीर यादव,मा.रतन लाल, राजसिंह,हरीश यादव ने शोक जताया है।

अवैध कालौनी किसी भी सूरत में नहीं पनपने दी जाएगी:डीटीपी -कनीना में दो जगह चलाई जेसीबी

कनीना सुनील दीक्षित

अवैध कालौनी काटे का कार्य शहरों की तर्ज पर गावों में किया जाने लगा है। कनीना के गुजरने वाले विभिन्न सडक मार्गों के साथ कालौनी काटी जा रही हैं इतना ही नहीं भोजावास, दोंगडा, सेहलंग सहित अन्य गावों में प्रोपर्टी डीलरों द्वारा ये कार्य किया जाने लगा है। कनीना में अटेली रोड तथा महेंद्रगढ रोड पर अवैध कालौनी काटे जाने की सूचना पर डीटीपी की टीम ने जेसीबी चलाकर भरी हुई बुनियाद को जमींदोज कर दिया। जहां करीब 7 एकड भूमि में कालौनी विकसित की जा रही थी। टीम में शामिल डीटीपी मंदीप सिहाग,एडीटीपी सतेंद्र,सहायक पवन,अनिल कुमार ने पुलिस बल के साथ जेसीबी चलाकर भरी गई बुनियाद तथा बनाए गए रास्ते ध्वस्त कर दिए। डीटीपी ने कहा कि अवैध कालौनी किसी भी सूरत में नहीं पनपने दी जायेगी।

नपा द्वारा किए जा रहे टॉयलेट निर्माण पर दुकानदारों ने जताई आपत्ति

-कार्य बंद करने की मांग को लेकर सचिव को सौंपा ज्ञापन

कनीना सुनील दीक्षित

नगर पालिका की ओर से बस स्टैंड के पीछे कॉपलेक्स मार्केट में जनहित को ध्यान में रखकर टॉयलेट क निर्माण कार्य शुरू किया गया था जिसे लेकर दुकानदारों एवं नागरिकों ने ऐतराज जताना शुरू कर दिया है। इस बारे में नागरिकों की ओर से एसडीएम सुरेंद्र सिंह के नाम का ज्ञापन नपा सचिव समयपाल सिंह को सौंपा है। इस बारे में मनीष यादव ,अनिल,सवाई सिंह, दक्ष,सुनील,अशोक कुमार, धर्मपाल,कार्तिक इत्यादि द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि कॉपलेक्स से 100 मीटर की दूरी पर बस स्टैंड तथा पशु अस्पताल में में टॉयलेट बना हुआ है। जहां टॉयलेट बनाया जा रहा है वहां पर सीवरेज तथा पेयजल की लाईन भी नहीं है। उन्होंने टॉयलेट का निर्माण कार्य बंद करने को कहा है।

विस चुनाव के बाद हो सकते हैं नगरपालिका के चुनाव

कनीना सुनील दीक्षित

नगर पालिका कनीना व अटेली के चुनाव विधान सभा चुनाव के बाद ही संभव हैं। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के बाद अब विधानसभा की प्री-तैयारियां शुरू हो गई हैं। अक्टूबर 2024 में होने वाले विस चुनाव को लेकर मतदाता सूचि अपडेट करने सहित अन्य कार्य प्रारंभ हो गए हैं। जबकि पूर्व के समय नपा की मतदाता सूची अपडेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। नपा का कार्यकाल करीब डेढ सालभर पूर्व पूरा हो चुका है उसके बाद से एसडीएम के पास नपा का चार्ज है। उनकी ओर से कनीना में बुनियादी कार्य भी करवाए जा रहे हैं। बीते समय की गई वार्ड बंदी में कनीना व अटेली नपा में एक-एक वार्ड की बढौतरी की गई है। कनीना में 14 वार्ड निर्धारित किए गए हैं। विधानसभा चुनाव के बाद स्थानीय निकाय चुनाव की संभावना है।

नाथूपुर में हो रहे अवैध निर्माण पर पीले पंजे का वार

*** डीटीपी ने लोगों से की अपील, अवैध कॉलोनियों में न खरीदे कोई भी प्लॉट**

रसोनीपत। जिला नगर योजनाकार अधिकारी(डीटीपी) नरेश कुमार ने बताया कि जिला में विकसित हो रही अवैध कालोनियों तथा अवैध निर्माण को उपायुक्त डॉ0 मनोज कुमार के निर्देशन में शुरूआत में ही ध्वस्त करने के लिए प्रशासन द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत बुधवार को गांव नाथूपुर की राजस्व सम्पदा में मैसर्ज हेन्टैक इण्ड्स्ट्रीज कम्पनी की सीमा में प्रस्तावित 30 मीटर व 12 मीटर सडक़ पर बनाई गई अवैध चारदीवारी, गार्ड रुम, गेट पोस्ट व इलैक्ट्रिक पैनल को ध्वस्त किया गया।

जिला नगर योजनाकार अधिकारी ने आमजनता से अपील करते हुए कहा कि अवैध कॉलोनियों में भूमाफियाओं के बहकावे में आकर प्लॉट ना खरीदें व अपनी मेहनत की कमाई को बर्बाद ना होने दें क्योंकि अवैध कालोनी में सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं दी जाती। इसके अलावा प्लॉट लेने से पहले यह जरूर जांच ले कि कॉलोनी निर्माण करने के लिए सरकार द्वारा अनुमति ली गई है या नहीं।

जिला नगर योजनाकार अधिकारी ने बताया कि जिला में किसी भी अवैध कालोनी का निर्माण नहीं करने दिया जाएगा। विभाग द्वारा जिला के सभी क्षेत्रों में नजर रखी जा रही है अगर कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की अवैध कालोनी विकसित करता है तो उसके खिलाफ शहरी क्षेत्र व नियंत्रित क्षेत्र अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में किसी भी जानकारी के लिए सेक्टर-15 स्थित एचएसवीपी कॉम्पलैक्स के प्रथम तल स्थित जिला नगर योजनाकार कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

हिसार से कांग्रेस के सांसद जेपी बोले : मैंने किसी की शिकायत नहीं दी, भीतरीघात करने वालों को जनता सबक सिखाएगी

हिसार । हिसार से कांग्रेस के सांसद जयप्रकाश ने कहा कि लोकसभा में टिकटों का आधार सर्वे था। अब तक का सबसे बेस्ट टिकट वितरण था। जिसके दम पर हम 5 सीट जीते। तीन सीट पर बेहद कम अंतर से हारे हैं। मैं किसी के बारे में कुछ नहीं

कहना चाहता। सांसद जयप्रकाश कुमारी सैलजा के टिकटों के सही वितरण होता तो दस लोकसभा सीट जीतते वाले बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने भीतरीघात की होगी जनता उन्हें सबक सिखाएगी। हिसार में मीडिया से बातचीत करते हुए सांसद जयप्रकाश ने कहा कि मैंने हाईकमान को किसी की शिकायत नहीं दी। सोनीपत की सीट पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुडडा ने सतपाल ब्रहमचारी को दी, करनाल में युवा प्रत्याशी दिव्यांशु बुद्धिराजा, गुरुग्राम में राजब्बर को टिकट दी। अगर सर्वे आधार नहीं होता तो मुझे टिकट नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि हिसार में एयरपोर्ट के नाम पर जनता के साथ धोखा किया जा रहा है। राहुल गांधी ने सर्वे के आधार पर टिकट दी। इन लोगों ने इसी तरह से 2019 के विधानसभा चुनाव से भी पहले भी इसी तरह से जहाज उड़ाने का नाटक किया था। चुनावी उडान से वोट नहीं मिलेंगे। मैं लोकसभा में सबसे पहला यही सवाल पूछूंगा। संसद में अग्निवीर योजना, किसान आंदोलन में किसानों की मौत का जिम्मेदार कौन, पुलवामा हमले की साजिश करने वालों का खुलासा करने के सवाल भी पूछेंगें। 42 स्टार प्रचारकों की सूची में से केवल दो ही नेता आने के सवाल पर जयप्रकाश ने कहा कि मुझे पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुडडा, चौधरी उदयभान की जरूरत थी वह दोनों आए थे। इस बार मेरा चुनाव जनता ने खुद लडा। जनता में भारी जोश था।

सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा बोली- तानाशाह का अहम व वहम दोनों दूर देती लोकतंत्र की ताकत

फतेहाबाद। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव, उत्तराखंड की प्रभारी एवं सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि लोकसभा चुनाव का पड़ाव पार कर दिया है। अभी हरियाणा में अगला पड़ाव पार और करना है, सब मिलजुल कर रहें, प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। जो कल तक किसी को अपने पास में खड़ा तक नहीं होने देते थे, आज वो दूसरे लोगों का हाथ पकड़कर चल रहे है और उन्हें गले लगा रहे है। यहीं लोकतंत्र की ताकत है, जो अच्छे-अच्छे तानाशाह का अहम और वहम दोनों दूर कर देती है। वे वीरवार को धन्यवादी दौरे में टोहाना के मैरिज पैलेस में आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करने पहुंची थी। सैलजा ने कहा कि टोहाना हलके से जनता ने उन्हें जो मान सम्मान दिया है, वे उसे कभी नहीं भूलेंगी। इस मान सम्मान को डबल करके हर कार्यकर्ता को लौटाऊंगी। एक पड़ाव पार हो चुका है, जिसमें जनता ने भाजपा सरकार को उसकी हकीकत बता दी है, हरियाणा में अब दूसरा पड़ाव तीन माह बाद विधानसभा चुनाव का है, जिसके लिए कार्यकर्ताओं को अभी से कमर कस लेनी चाहिए। मिलजुलकर ही इस मुकाम को हासिल किया जा सकता है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा का असर लोकसभा चुनाव में दिखाई दिया, राहुल गांधी का संदेश जन जन तक पहुंचाने के लिए उनके द्वारा निकाली गई कांग्रेस संदेश यात्रा का प्रभाव हरियाणा में साफ दिखाई दिया।

रोहतक में सौ दिन तक चलेगा एनीमिया मुक्त भारत अभियान वैशाली सिंह

- अभियान के पहले चरण में 20 दिनों तक लोगों में खून की कमी की होगी जांच

- घर-घर जाकर आशा वर्कर, आंगनबाड़ी वर्कर व स्वास्थ्य कर्मचारी लोगों को एनीमिया के बारे में करेंगे जागरूक

रोहतक। जिला में 11 जून से एनीमिया मुक्त भारत अभियान की विधिवत शुरुआत की जा चुकी है। आज अतिरिक्त उपायुक्त वैशाली सिंह ने डीआरडीए भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत एक बैठक का आयोजन किया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए वैशाली सिंह ने कहा कि आज भी भारत की 60 से 70 प्रतिशत जनता खून की कमी से प्रभावित है। इनमें अधिकतर आबादी लड़कियों व महिलाओं की है। एनीमिया की समस्या की भयावता को देखते हुए केंद्र सरकार द्वारा एनीमिया मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष यह अभियान 100 दिन तक चलाया जाएगा। उन्होंने 100 दिन तक चलने वाले इस अभियान के विभिन्न चरणों व कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि लोगों को एनीमिया से बचाने के लिए तीन चरणों में कार्य किया जा रहा है।

अतिरिक्त उपायुक्त वैशाली सिंह ने कहा कि पहले चरण में अधिक से अधिक लोगों के खून की जांच व स्क्रीड्क्षनग की जाएगी। उन्होंने सभी आशा वर्कर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व हेल्थ वर्करों से अगले 20 दिनों में घर-घर जाकर प्रत्येक नागरिक की खून की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य को रूटिंग का कार्य न समझकर सामाजिक कार्य की भांति किया जाए। उन्होंने सिविल सर्जन, जिला शिक्षा अधिकारी, पीओ आईसीडीएस व सभी पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्राधिकार में कार्य के बारे में विस्तार से बताए और उनके कार्य की साप्ताहिक समीक्षा करें। सभी खंड विकास अधिकारी, ग्राम सचिव इस अभियान के बारे में ग्रामीणों को जागरूक करें। इसके लिए चौकीदार के माध्यम से गांव में मुनादी करवाई जाए व ग्राम सभा की बैठक में लोगों को एनीमिया मुक्त भारत के कार्यक्रम की जानकारी दी जाए।

वैशाली सिंह ने कहा कि अगर प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास 10 महिलाओं और बच्चियों को खून की कमी व इसके दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक करेंगे तो वे अपने पूरे परिवार को एनीमिया मुक्त बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगें। उन्होंने कहा कि आने वाले 20 दिनों में सभी अधिकारी व कर्मचारी अधिक से अधिक संख्या में लोगों को अपने नजदीक स्वास्थ्य केंद्र में खून जांच के लिए लेकर आए। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों, अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने आईएमए के पदाधिकारी व स्वयंसेवी संस्थाओं से भी अपना सहयोग देने के लिए आवाहन भी किया है।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ अनिल बिरला, एनीमिया के नोडल अधिकारी एवं उप सिविल सर्जन डॉ. राजबीर सभ्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी मंजीत मलिक, विकास व पंचायत विभाग के एसईपीओ हरिचंद गुप्ता, एसएमओ कुलदीप सिंह, डॉ. नीना, डॉ जीडी शर्मा, डॉ. शिवानी, डॉ. सुशीला, डॉ. ज्योत्सना, डॉ. सबीना, डॉ. जोंटी, डॉ. मोहित, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दलजीत सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा, सरिता, सुनीता, रितू, महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी कुमारी दीपिका सैनी, योगेंद्रा सांगवान रेनू कंबोज व सुरेश भारद्वाज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रेवाड़ी का लोकेश हत्याकांड- एक और आरोपी गिरफ्तार, दो दिन की मिली पुलिस रिमांड ; ये था पूरा मामला

रेवाड़ी । रेवाड़ी थाना मॉडल टाउन पुलिस ने युवक की हत्या के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहल्ला गुर्जरवाड़ा निवासी हंसराज पोसवाल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार

पुलिस ने बताया कि मोहल्ला भजन का बाग निवासी यशपाल ने अपनी शिकायत में बताया था कि 30 मई 2024 को अलसुबह 3-4 बजे के करीब उसके घर पर उसके बेटे का दोस्त आकाश उर्फ सन्नी आया और उसके बेटे लोकेश को घूमने की बात कहकर हमारी ही स्कूटी पर लेकर गया। उसके बाद सुबह 7 बजे आकाश उर्फ सन्नी स्कूटी को घर पर लेकर आया और स्कूटी को घर के सामने खड़ा कर दिया। आकाश ने बताया कि लोकेश स्कूटी से गिर गया है उसके सिर पर चोट आई है वह हॉस्पिटल में भर्ती है। स्कूटी की डिग्गी चैक की तो उसमें बेटे का मोबाइल फोन मिला जो बंद था। यशपाल ने बताया कि सुबह करीब 8 बजे के करीब जब वह ट्रामा सेंटर रेवाड़ी पहुंचा तो पता चला कि उसके बेटे लोकेश की मृत्यु हो गई है। उसके शरीर पर डंडों से काफी चोटें लगी हुई थी। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना माडल टाऊन रेवाड़ी में हत्या का मामला दर्ज करके मामले में एक आरोपी आकाश उर्फ सन्नी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

पूर्व सीएम हुड्डा को भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया का चैलेंज

रोहतक। भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को चैलेंज देते हुए कहा है कि हुड्डा में अगर दम है तो वह अपने 29 विधायकों को राज्यपाल के समक्ष पेश करके दिखाएं। पूनिया ने कहा कि कांग्रेस ने सदा झूठ बोलकर लोगों को ठगने और गुमराह करने का काम किया है। कांग्रेस को घेरते हुए सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि कांग्रेस हरियाणा में अभी तक जिला अध्यक्ष तक नहीं बना पाई है, संगठन खड़ा करना तो दूर की बात है। उन्होंने कहा कि भाजपा के संगठन की ताकत पन्ना प्रमुख तक पहुंच चुकी है और नायब सरकार मजबूती के साथ जनसेवा के कार्यों में जुटी हुई है। कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि कांग्रेस की किसी भी योजना को उठाकर देख लें, कांग्रेस ने सदा हॉफ काम किया है। अधूरी चीजें देकर जनता को गुमराह करने में कांग्रेस को महारत हासिल है। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम हुड्डा गरीब लोगों को प्लॉट देने की बात करते हैं। कांग्रेस शासन में दिए गए प्लॉटों की रजिस्ट्रियां तक कांग्रेस ने नहीं दी, जबकि नायब सरकार रजिस्ट्रियों के साथ-साथ प्लॉट पर कब्जा भी दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सैनी जिस योजना की शुरूआत करते हैं उसे अंजाम तक भी पहुंचाते हैं। सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि अब कांग्रेस का झूठ चलने वाला नहीं है। जनता मोदी और नायब सरकार के साथ है और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का सफाया कर देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार काम करने वाली सरकार है। 10 सालों में डबल इंजन की सरकार ने जो काम किए हैं वह कांग्रेस 60 सालों में भी नहीं कर पाई। उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री नायब सैनी हर जिले में प्रवास करेंगे और लोगों से रूबरू मिलकर उनकी हर समस्या का समाधान करेंग उन्होने ने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में झूठ बोलकर लोगों को भ्रमित किया।

राई हलके की सडक़ों के सुदृढीकरण के लिए हरियाणा सरकार ने दी 25 करोड़ रूपये से अधिक की मंजूरी

सोनीपत। राई से विधायक मोहनलाल बड़ौली ने सोनीपत लोकसभा चुनाव हारने के बाद अपने इलाके के विकास लिए अपनी कोशिश तेज़ कर दी है। क्षेत्र के विकास की गति तेज करते हुए उन्होंने कहा कि राई विधानसभा के लोगों के लिए बहुत ही खुशी की बात है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने विधानसभा की सडक़ों के सुदृढीकरण के लिए 25 करोड़ 68 लाख की मंजूरी प्रदान की है। उन्होंने बताया कि इस राशि से राई हलके की 25 सडक़ों का सुदृढीकरण किया जाएगा, ताकि लोगों को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

विधायक ने बताया कि इन 25 सडक़ों में बसौदी से बड़ौली रोड़ पर 15.25 लाख, मनौली से खुर्मपुर रोड़ पर 69.27 लाख, मनौली से बैरा बाकीपुर सडक़ पर 74.05 लाख, जाटी कलां से दहीसरा रोड़ पर 89.26 लाख, जठेड़ी से प्रीत्तमपुरा सडक़ पर एक करोड़ आठ लाख 83 हजार, नाहरी से मल्हा माजरा सडक़ पर एक करोड़ 77 लाख 86 हजार, खेड़ी मनाजात से मुनीरपुर सडक़ पर 36 लाख 92 हजार, छतेहरा से रेलवे स्टेशन सडक़ पर 19.96 लाख, छतेहरा में एक और सडक़ पर 24.79 लाख, गांव जाजल अप्रोच रोड़ पर 41.34 लाख, ओल्ड बसौदी से मुकीमपुर सडक़ पर 50.41 लाख, किशोरा से चौहान जोशी सडक़ पर एक करोड़ 24 लाख 09 हजार, मेहंदीपुर से यमुना घाट तक की सडक़ पर एक करोड़ 94 लाख 39 हजार, जाजल टोंकी से जाजल सडक़ पर एक करोड़ 12 लाख 41 हजार रूपये, मुरथल से मेहंदीपुर सडक़ पर 22.21 लाख, जीटी रोड़ से मुरथल कॉलेज वाया ओशो धारा आश्रम सडक़ पर 17.5 लाख, जीटी रोड़ से मुरथल वाया हसनपुर सडक़ पर 95.68 लाख, धतूरी से मुरथल सडक़ पर 92.82 लाख, नाहरी से मुनीरपुर सडक़ पर 74.04 लाख, टांडा से पबसेरा सडक़ पर एक करोड़ पांच लाख 65 हजार, जाटी कलां से खटकड़ सडक़ पर 64.48 लाख, सेवली से असावरपुर सडक़ पर 70.33 लाख, खुर्मपुर से मनौली टोंकी सडक़ पर 68.33 लाख, जीटी रोड़ से मीमारपुर यमुना घाट वाया मुरथल सडक़ पर 07 करोड़ 94 लाख 58 हजार टांडा अप्रोच रोड़ पर 18.67 लाख रूपये खर्च कर उसका सुदृढीकरण किया जाएगा।

विधायक मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि हरियाणा सरकार लोगों की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के साथ पूरा करवा रही है। चाहे वो सडक़ों की बात हो, हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुचाने की बात हो, गांवों की पक्की गलियों के निर्माण की बात हो या अन्य सभी सुविधाएं। उन्होंने कहा कि राई विधानसभा की इन सडक़ों पर जल्द कार्य शुरू हो जाएगा और लोगों को आने जाने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने केन्द्र व हरियाणा में आते ही सडक़ों का कायाकल्प किया है आज आप कहीं चले जाएं आपको फराटेदार सडक़ें मिलेगी। केन्द्र सरकार ने प्रदेश के हर जिले हर क्षेत्र को सडक़ों व नेशनल हाइवे तथा एक्सप्रेसवे से जोड़ा है ताकि लोग आसानी से आवागमन कर सके।

पर्यटकों के निराश करनेवाली खबर, 16 जून से गिर अभयारण्य चार महीने के लिए रहेगा बंद

अहमदाबाद। सौराष्ट्र में एशियाटिक शेरों का बसेरा आगामी 16 जून से 15 अक्टूबर तक घरेलू और विदेशी पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। जूनागढ़ के सासण में स्थि गिर अभयारण्य एशियाई शेरों का एक मात्र निवासस्थान है, जो देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। हांलाकि साल में चार महीने के लिए गिर अभ्यारण्य पर्यटकों के लिए बंद कर दिया जाता है, क्योंकि इस दौरान कई जानवरों के प्रजनन का मौसम होता है। मानसून के चार महीने प्रजनन के लिए सबसे अच्छा मौसम माना जाता है। मानसून के दौरान वन क्षेत्र के अंदर सड़कों की स्थिति भी खराब हो जाती है और आगंतुकों के लिए ऐसी सड़कों पर यात्रा करना असुरक्षित हो जाता है। इसके अलावा वन विभाग सितंबर में गिर अभयारण्य के रखरखाव का काम भी करता है, क्योंकि यहां पर्यटकों का आगमन नवंबर से शुरू होकर मार्च के अंत तक जारी रहता है। जूनागढ़ के सीसीएफ के मुताबिक इस वर्ष कुल 8 लाख से अधिक पर्यटक गिर अभयारण्य आए। पिछले साल 1.95 लाख पर्यटक जंगल सफारी और 6.88 लाख सैलानियों ने देवडिया पार्क की सैर की थी।

आतंकियों की तलाश में जारी हैं... सेना का सर्च अभियान

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में हाल के हमलों में शामिल आतंकियों का पता लगाने के लिए सेना ने विभिन्न जिलों, खासकर डोडा और रियासी में व्यापक तलाशी अभियान गुरुवार को भी जारी है। पिछले चार दिनों में आतंकवादियों ने रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार जगहों पर हमले किए, जिसमें नौ तीर्थयात्रियों और केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की मौत हुई और सात सुरक्षाकर्मी सहित कई अन्य घायल हो गए। सेना अधिकारियों के अनुसार, सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने सुबह डोडा जिले में गंडोह के कोटा टॉप, चट्टागल्ला और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान फिर से शुरू किया, जहां आतंकवादियों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मियों सहित सात सुरक्षाकर्मी घायल हुए थे। पुलिस ने दो हमलों में शामिल चार आतंकवादियों के स्केच जारी किए थे और उनकी गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को 20 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। अधिकारियों ने बताया कि रियासी और राजौरी जिले में तलाशी अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि राजौरी के नौशेरा और पुंछ में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। आतंकी खतरे के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद कठुआ, सांबा और जम्मू जिलों में भी सुरक्षा बलों को अलर्ट पर रखा गया है। राजौरी और जम्मू जिलों के कुछ हिस्सों में आतंकी खतरे की आशंका जताने वाली खुफिया सूचनाओं के बाद यह परामर्श जारी किया गया।

नवनिर्वाचित सांसद और क्रिकेटर युसूफ पठान पर सरकारी जमीन पर गैरकानूनी कब्जे का आरोप

वडोदरा। पश्चिम बंगाल की बरहामपुर से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नवनिर्वाचित सांसद युसूफ पठान पर वडोदरा महानगर पालिका (वीएमसी) की जमीन पर गैरकानून रूप से कब्जा करने का आरोप लगा है। वीएमसी की सामान्य सभा ने जमीन को लेकर जो दरखास्त मंजूर की थी, उसे गुजरात सरकार ने खारिज कर दी। इसके बावजूद युसूफ पठान ने जमीन पर दीवार बनाकर उस पर कब्जा किया होना के आरोप है। दरअसल युसूफ पठान वर्ष 2012 में वडोदरा के तांदलजा क्षेत्र में अपने निवास के बगल स्थित वीएमसी के भूखंड खरीदना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने वडोदरा महानगर पालिका से 978 वर्ग मीटर जमीन खरीदने की पेशकश की थी। वीएमसी की सामान्य सभा में युसूफ पठान को 978 वर्ग मीटर भूखंड आवंटित करने की सर्व सहमति से दरखास्त भी मंजूर कर दी गई थी। लेकिन राज्य सरकार ने वीएमसी के युसूफ पठान को भूखंड देने की दरखास्त को खारिज कर दी थी। युसूफ पठान अब पश्चिम बंगाल से सांसद बन गए हैं। युसूफ पठान पर आरोप है कि उन्होंने अपने निवास के बगल स्थित भूखंड पर गैरकानूनी रूप से दीवार बनाकर कब्जा कर लिया है।

कानपुर मेडिकल कॉलेज की चौथी मंजिल से गिरकर लेडी डॉक्टर की मौत

कानपुर। कानपुर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस पासआउट एक छात्रा की देर रात संदिग्ध अवस्था में चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। इस हादसे से पहले मृतका अपने दो दोस्तों के साथ पार्टी करने गई थी। वहीं मृतका के परिजन चौथी मंजिल से घसीटकर हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं। दीक्षा तिवारी ने कानपुर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया था। वह 2018-2022 बैच की छात्रा थी। जिन दोस्तों के साथ पार्टी की थी, वे उसके बैचमेट ही थे। मृतका मेरठ में पोस्टिंग भी पा चुकी थी। वह अपने दो दोस्तों हिमांशु और मयंक के साथ किसी रेस्टोरेंट में पार्टी करके मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर पहुंच गई। उसके बाद संदिग्ध अवस्था में गिरकर उसकी मौत हो गई। मृतक डॉक्टर के पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को घसीटकर छत से नीचे फेंका गया है। वहीं मामले में पुलिस ने बताया कि महिला डॉक्टर पार्टी करके चौथी मंजिल पर गई थी। उसके साथ दो दोस्त थे। उसके बाद वह अचानक ऊपर से गिर गई। वहां उसकी मौत हो गई है। मामले में उसके दोनों दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं कॉलेज प्रशासन का कहना है कि दीक्षा हमारे मेडिकल कॉलेज की छात्रा नहीं थी। वह 2018 बैच की थी। 2023 में एमबीबीएस पूरा होने के बाद उन्होंने हमारे यहां इंटर्नशिप की, जोकि 2024 में पूरी हो चुकी है। आखिर वह रात में डेढ़ बजे अपने दोस्तों के साथ कॉलेज परिसर में क्या कर रही थी, इसकी पुलिस जांच कर रही है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन भी घटना को फिलहाल हादसा मानकर चल रहा है।

जब आइसक्रीम के कोन में मिली टूटी हुई उंगली

मुंबई। आप में से कई लोग ऑनलाइन फूड डिलीवरी एप्लिकेशन के जरिए खाना ऑर्डर करते हैं। हममें से कई लोग ऐसे हैं जो घर बैठे होटल और रेस्तरां से खाना ऑर्डर करने का आनंद लेते हैं। लेकिन मुंबई के मलाड के डॉक्टर को खाना

ऑर्डर करना बहुत महंगा पड़ गया. इस तरह की घटना को समझने के बाद आप भी अक्सर ऑनलाइन खाना ऑर्डर करते समय सोचेंगे। हुआ यूं कि मलाड में रहने वाले 27 साल के डॉक्टर ऑर्लेम ब्रेडन सेराओ ने बुधवार को एक फूड डिलीवरी ऐप से आइसक्रीम का ऑर्डर दिया। ऑर्लेम द्वारा ऑर्डर किया गया आइसक्रीम का कोन प्राप्त करने के बाद, उन्होंने ढक्कन खोला और उसे खाना शुरू किया। लेकिन कुछ ही देर में उन्हें आइसक्रीम के कोने में एक टूटी हुई उंगली मिली. यह उंगली दो सेंटीमीटर लंबी थी. पुलिस के मुताबिक, आइसक्रीम कोन तब ऑर्डर किया गया था जब उस डॉक्टर की बहन ने घर का सामान ऑनलाइन ऑर्डर किया था। अब इस मामले पर मलाड पुलिस ने संज्ञान लिया है और जांच शुरू कर दी है. पुलिस यह पता लगा रही है कि वह व्यक्ति कौन था जो यह आइसक्रीम लाया था? डॉक्टर ने आइसक्रीम कहाँ से खरीदी? जिस दुकान से यह आइसक्रीम आई, वह किस डीलर से आई? इस डीलर को यह आइसक्रीम कहां से मिलती है? ऐसे सवालों की जांच अब पुलिस को करनी है. वही डिलीवरी करने वाले ने तो कहीं कुछ फेरफार तो नहीं किया ? इस नजरिये से भी जांच किये जाने की संभावना है. पुलिस उन फैक्ट्रियों में जाकर जांच करेगी जहां ये आइसक्रीम कोन बनते हैं. पुलिस का अनुमान है कि अगर आइसक्रीम बनाने वाली जगह पर जाकर पूछताछ की जाए तो पता लगाया जा सकता है कि उंगली किसकी है. बहरहाल पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है. पुलिस ने उंगली को फोरेंसिक जांच के लिए लैब में भेज दिया है और रिपोर्ट जल्द ही पुलिस को सौंपी जाएगी। लेकिन इससे ऑनलाइन के जरिए खाना और सामान ऑर्डर करने को लेकर संदेह पैदा हो गया है. इस प्रकार, ऑनलाइन चीजें ऑर्डर करना कितना सुरक्षित है यह मुद्दा फिर से खबरों में है।

बंगाल, सिक्किम, असम समेत 12 राज्यों में हो सकती है भारी बारिश

-उत्तर भारत के कई राज्यों में गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया है असम और बंगाल समेत देश के कई राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ रहा है जिससे पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम समेत 12 राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। वहीं उत्तर भारत के कई राज्यों में गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा। आईएमडी ने यूपी, बिहार और झारखंड में रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान में लू चलने की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार 13 से 17 जून के बीच यूपी के कुछ हिस्सों में लू और हीटवेव चलने की संभावना है। अगले पांच दिनों में उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली के कुछ इलाकों के साथ ही उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश, उत्तर-पश्चिम राजस्थान, उत्तर-पूर्वी राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और ओडिशा में लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों में मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेंगी और हल्की बारिश भी हो सकती है। एक जून को बारिश का सीजन शुरू होने के बाद से भारत में सामान्य से एक फीसदी कम बारिश हुई है। अगले पांच दिनों में केरल, कर्नाटक मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और तेलंगाना में गरज, बिजली कड़कने तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। 13 से 16 जून के बीच नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि बिहार, पंजाब, यूपी, हरियाणा, उत्तराखंड और ओडिशा जैसे उत्तरी और पूर्वी राज्यों में चार-पांच दिनों तक लू चलने की संभावना है। पश्चिमी क्षेत्रों में समय से पहले मानसून के पहुंचने के बाद उसकी गति धीमी हो गई है। मुंबई में मानसून तय समय से लगभग दो दिन पहले आ गया, लेकिन मध्य और उत्तरी राज्यों में इसके आने में देरी हो सकती है। उत्तरी राज्यों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और 46 डिग्री सेल्सियस के बीच है। जो सामान्य से करीब तीन डिग्री सेल्सियस से पांच डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

दिल्ली में करारी हार के बाद... बिहार चले केजरीवाल, विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सातों सीटें हराने के बाद आम आदमी पार्टी अपने दल के विस्तार की तैयारी में जुटी हुई है। पंजाब में सरकार बनाने के बाद आप की नजर बिहार पर है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ने का मन बना चुकी है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि बिहार में हमारी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही है। आप के कार्यकर्ता चुनावी तैयारी शुरू कर दे। इससे केजरीवाल के गुड गवर्नेंस का लाभ बिहार की जनता को भी मिल सके। आप नेता सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी बिहार में चुनाव लड़ेगी यह तय है। लेकिन, कितने सीटों पर लड़ेगी? यह हम लोग बाद में तय करके बताएंगे। मोदी सरकार 3.0 के गठन पर प्रतिक्रिया देकर आप सांसद सिंह ने दावा किया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई सरकार एक साल में गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार एनडीए के घटक दलों की उम्मीदों को पूरा करने में विफल रहने की संभावना है। मोदी ने 72 सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिपरिषद का नेतृत्व करते हुए रिकॉर्ड तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने कहा कि मैं टीडीपी और जेडीयू से कहना चाहता हूं कि आप अपना स्पीकर बनाएं, नहीं इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि आपकी पार्टी के कितने सांसद टूटकर उनके साथ आ जाएंगे।

चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण में शामिल नहीं हुए बिहार के सीएम, राजनीति गरमाई

-आरजेडी ने कहा- जब नीतीश के मन का काम नहीं होता तो वह मौन धारण कर लेते हैं

पटना (एजेंसी)। केंद्र में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेता एन चंद्रबाबू आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहे थे। इस समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, एलजेपीआर के प्रमुख चिराग पासवान, अपना दल की नेता अनुप्रिया पटेल, आरपीआई नेता रामदास आठवले जैसे एनडीए के कई दिग्गज नेता शपथ ग्रहण में शामिल होने मंच पर मौजूद थे, लेकिन खास बात यह है कि इस कार्यक्रम में बिहार के सीएम नीतीश कुमार कहीं दिखाई नहीं दिए। इस बात को लेकर बिहार की सियासत तेज हो गई चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया कि एनडीए के अंदर ठीक नहीं है। यह बात बड़ी तेजी से फैलने लगी कि नीतीश कुमार एनडीए मंत्रिपरिषद में जेडीयू की हिस्सेदारी और भागीदारी से खुश नहीं हैं। इस पर आरजेडी ने अपनी प्रतिक्रिया दी।

आरजेडी प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि जब नीतीश कुमार के मन मुताबिक काम नहीं होता है तो वह मौन धारण कर लेते हैं। इससे वह संकेत देते हैं कि वह खुश नहीं हैं। अहमद ने कहा कि बीजेपी को तो बहुमत नहीं मिला है और एनडीए के साथ मिलकर सरकार बनाई है। इसके बाद मंत्रालयों का जिस तरह से बंटवारा हुआ है। अभी लोकसभा अध्यक्ष बनाने की भी बात होनी है। इससे आगे भी की कई चीजे होना हैं, ऐसे में एनडीए के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम से नीतीश कुमार की दूरी बनाना सियासी संकेत दे रहा है।

इसके बाद चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण से नीतीश कुमार की गैर मौजूदगी पर जदयू की भी प्रतिक्रिया आई। बिहार के मंत्री और जेडीयू नेता जमा खान ने कहा कि इस बात को तूल क्यों दिया जा रहा है। नीतीश के नहीं जाने के कई कारण हो सकते हैं। उनकी तबीयत भी खराब हो सकती है। बीजेपी के प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण में एनडीए के बहुत सारे घटक दल के नेता नहीं पहुंचे। ऐसे में यह कोई विषय ही नहीं है। हमारे एनडीए के नेता और देश के पीएम नरेंद्र मोदी वहां विराजमान थे। इसके बाद अब कोई किंतु-परंतु रह नहीं जाता है।

बता दें कि नीतीश कुमार की गैर हाजिरी या फिर मौन साध लेना कई संकेत करता हैं। बिहार के सीएम नीतीश जब चंद्रबाबू नायडू की शपथ ग्रहण में नहीं पहुंचे तो कई तरह की चर्चाएं होने लगीं। दोनों नेता एनडीए की सरकार में किंगमेकर के रोल में है। इनमें से एक की गैर हाजिरी सवाल खड़े कर रही थी, लेकिन देर शाम नीतीश कुमार के कार्यालय की ओर से जानकारी आई कि उन्होंने आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू से फोन पर बात की है।

नीतीश ने नायडू को आंध्र प्रदेश का सीएम बनने पर बधाई दी है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की है कि उनके नेतृत्व में आंध्र प्रदेश तरक्की करने के आयाम छुएगा।

अग्निपथ योजना की खामियों को खंगालेगा पैनल, पीएम के समक्ष रखा जाएगा पूरा रिव्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। अग्निवीरों का चयन करने वाली योजना अग्निपथ का रिव्यू होने जा रहा है। अधिकारियों का एक पैनल इसके नफा नुकसान का आकलन करेगा। इसके बाद पूरी रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष रखी जाएगी। तभी इस योजना को लेकर निर्णय होंगे। बता दें इससे पहले लोकसभा चुनाव में अग्निपथ को मुद्दा बनाया गया और विपक्षी गठबंधन ने भरोसा दिलाया था कि उनकी सरकार आने पर इस योजना को बंद कर देंगे। कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया था कि अगर उनकी गठबंधन की सरकार आई तो वे अग्निपथ योजना को समाप्त कर देंगे। इस योजना का गुस्सा ज्यादातर लोगों में देखने को मिला और इसका नुकसान इस बार के आम चुनाव में भी देखने को मिला। लेकिन अब जहां भारतीय सेना ने अग्निपथ योजना को लेकर प्रावधानों में बदलाव की इच्छा जताई है तो वहीं केंद्र सरकार भी इस नियम में बदलाव को तैयार है। बता दें कि अग्निपथ योजना के तहत चुने गए कैंडिडेट्स को अग्निवीर कहा जाता है।

अग्निपथ योजना में सुधार करने के लिए सचिवों का बनाया गया रिव्यू पैनल 16 जून तक अपने सुझावों की पूरी तरह से तैयार कर लेगा और पीएम मोदी को फाइनल प्रेजेंटेशन सौंपेगा। फाइनल प्रेजेंटेशन की तारीख 17 या 18 जून हो सकती है। फाइनल प्रेजेंटेशन के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय इसमें सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। बता दें कि अभी पीएम मोदी जी-7 समिट के लिए इटली जा रहे हैं। जी-7 समित 13 से 15 जून तक होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय सेना अग्निवीरों की भर्ती के लिए अग्निपथ योजना में बदलावों पर चर्चा कर रही है। इस चर्चा में अग्निवीरों के ट्रेनिंग पीरियड को बढ़ाना और साथ ही साथ ट्रेनिंग पूरी हो जाने के बाद मौजूदा 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही आगे मौका देने के नियमों में बदलाव करना शामिल है।सेना चाहती है कि अग्निवीरों की ट्रेनिंग के बाद भी अग्निवीरों की संख्या 60-70 प्रतिशत तक बरकरार रखी जाए। मौजूदा नियमों के मुताबिक, ट्रेनिंग पूरी होने के बाद अग्निवीरों का केवल 25 प्रतिशत हिस्सा ही रखा जाएगा।

बांग्लादेशी सांसद की हत्या करने में महिला ने की थी मदद

-आरोपी हुसैन ने पूछताछ में किया खुलासा

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में बांग्लादेशी सांसद अनवारुल अजीम अनार की मौत के मामले में पश्चिम बंगाल सीआईडी के एक अधिकारी ने दावा किया कि न्यू टाउन के एक फ्लैट में घुसते ही अनवारुल का मुंह कथित तौर पर तकिए से दबा दिया गया था। अधिकारी ने बताया कि नेपाल में गिरफ्तार किए गए आरोपी मोहम्मद सियाम हुसैन ने पूछताछ में बताया कि बांग्लादेशी राजनेता का गला घोंटने में एक महिला ने मदद की थी। महिला को अमेरिकी नागरिक और मामले के कथित मुख्य आरोपी अख्तरुज्जमां की प्रेमिका बताया गया था। बांग्लादेशी सांसद की हत्या करने के बाद आरोपियों ने उनके शरीर के छोटे-छोटे टुकड़ों किए, उन्हें प्लास्टिक की थैलियों में भरकर फिर अलग-अलग स्थानों पर बागजोला नहर के कई हिस्सों में फेंक दिए और वहां से फरार हो गए। उन्होंने यह भी दावा किया है कि शरीर के कुछ हिस्सों को ट्रॉली सूटकेस में रखकर बनगांव सीमा के पास फेंक दिया। इस बीच, अधिकारियों ने शव के अंगों की तलाश शुरु कर दी है। यह घटना तब सामने आई जब उत्तरी कोलकाता के बारानगर निवासी और बांग्लादेशी राजनेता के परिचित गोपाल बिस्वास ने 18 मई को स्थानीय पुलिस में सांसद अनार के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि सांसद 12 मई को कोलकाता आए थे। अपनी शिकायत में बिस्वास ने बताया कि अनार 13 मई की दोपहर को डॉक्टर की नियुक्ति के लिए अपने बारानगर घर से निकला था और उसे रात के खाने के लिए घर वापस आने की उम्मीद थी। कोलकाता पहुंचने पर सांसद अनार, बिस्वास के घर पर ठहरे थे। नौ जून को राज्य सीआईडी ने दक्षिण 24 परगना जिले में एक नहर के पास मानव हड्डियों के कुछ हिस्से बरामद किए थे। उन्होंने गिरफ्तार किए गए सियाम से पूछताछ की, जिसे नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार कर भारत प्रत्यर्पित कर दिया।

नीट विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का आया बयान ... पेपर लीक का कोई सबूत नहीं

- एनटीए में भ्रष्टाचार के आरोप निराधार हैं, एक विश्वसनीय संस्था

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में पेपर लीक के आरोपों को सिरे खारिज कर कहा कि इसका कोई सबूत नहीं है। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा, नीट-यूजी में पेपर लीक का कोई सबूत नहीं है। एनटीए में भ्रष्टाचार के आरोप निराधार हैं, यह एक बहुत ही विश्वसनीय संस्था है।

दरअसल, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 2024 की नीट यूजी में ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 उम्मीदवारों के स्कोर-कार्ड रद्द कर दिए जाएंगे और उम्मीदवारों को फिर से परीक्षा देने का मौका दिया जाएगा। एनटीए ने जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ को बताया कि 1,563 से अधिक उम्मीदवारों के परिणामों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की गई है, जिन्हें नीट-यूजी में शामिल होने के दौरान हुए समय के नुकसान की भरपाई के लिए ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, हर परीक्षा सेंटर पर पेपर के दो सेट होते हैं और परीक्षा शुरू होने से थोड़ी देर पहले ही बताया जाता है कि कौन-सा पेपर खोला जाना है। लेकिन 6 एग्जाम पर दूसरा सेट खोल दिया गया, इसकारण पेपर में 30-40 मिनट समय की बर्बादी हुई। उन्होंने कहा सुप्रीम कोर्ट मामले की सुनवाई कर रहा है और हम उसके फैसले का पालन करने को तैयार है। केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी छात्र को नुकसान न हो।

अब सवाल यह उठता है कि अगर नीट का पेपर लीक नहीं हुआ है, तब पेपर लीक को लेकर गिरफ्तारियां क्यों हुई थीं। क्योंकि बहुत से कैंडिडेट्स हैं, जिन्होंने दावा किया है की नीट का पेपर लीक हुआ था। नीट परीक्षा से पहले ही सोशल मीडिया और टेलीग्राम पर पेपर वायरल हो रहा था। मगर पहले एनटीए और अब केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने पेपर लीक की बात को सिरे से नकार दिया है। इस पर एनटीए ने कहा कि कोई पेपर लीक नहीं हुआ, एक एग्जाम सेंटर पर हिंदी के बजाय इंग्लिश का पेपर बंट गया था। एनटीए का यह नोटिफिकेशन देखकर कैंडिडेट्स का माथा और घूम गया। उनका कहना है कि अगर नीट का पेपर लीक नहीं हुआ, तब पटना और नालंदा में पुलिस ने गिरफ्तारियों क्यों कीं।

अब बीजेपी अध्यक्ष कौन होगा? चर्चा का बाजार गर्म

-नए अध्यक्ष के लिए यह दायित्व चुनौतीपूर्ण होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेन्द्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद अब लोगों में एक चर्चा शुरु होगी है कि बीजेपी का अगला अध्यक्ष कौन बनेगा? अभी वर्तमान जेपी नड्डा बीजेपी के अध्यक्ष हैं और उनका कार्यकाल पिछले साल ही पूरा हो गया था। इसे लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बढ़ाया दिया गया था। पीएम मोदी ने उन्हें अपने नए मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ दिलाकर साफ कर दिया कि बीजेपी को नए अध्यक्ष की तलाश शुरू कर देनी चाहिए। बीजेपी का नया अध्यक्ष वह व्यक्ति बनेगा जो कार्यकर्ता, संगठन और सरकार में बेहतर तालमेल बना सके। बीजेपी के नए अध्यक्ष के लिए यह दायित्व कितना चुनौतीपूर्ण रहने वाला है।

पहले राजनाथ सिंह और फिर बाद में अमित शाह के नेतृत्व में बीजेपी ने ना केवल अपने बूते बहुमत प्राप्त किया था बल्कि पीएम नरेन्द्र मोदी में यह आत्मविश्वास भरा था कि उनके हर निर्णय में पार्टी का कार्यकर्ता उनके साथ है। एक के बाद एक मिल रही विजय इसका प्रमाण थी। इस बार बीजेपी पसबसे बड़े दल के रूप में उभरी जरूर है लेकिन, वह बहुमत हासिल नहीं कर सकी। 2019 के मुकाबले उसे 63 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है।

बीजेपी नए अध्यक्ष के सामने सबसे पहली चुनौती तो कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने की ही होगी। इसके अलावा विभिन्न दलों को छोड़कर बीजेपी में आए नेताओं के संभावित अतिक्रमण से बचते हुए पार्टी के मूल कार्यकर्ताओं को यह विश्वास भी दिलाना होगा कि पार्टी में उनके स्थान और पूछ परख में कोई असर नहीं पड़ेगा। जब तक पार्टी के कार्यकर्ताओं में आत्मबल की वापसी नहीं होती, तब तक किसी चमत्कारिक परिणाम की आशा करना व्यर्थ ही होगा।

बीजेपी के नए अध्यक्ष को यह काम तीन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले ही करना होगा क्योंकि अगले कुछ महिनों में महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखण्ड में विधानसभा चुनाव होने हैं। हरियाणा और महाराष्ट्र में बीजेपी की सरकार में है, जबकि झारखंड में झामुमो की सरकार है। लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र और हरियाणा के नतीजे बीजेपी के लिए चुनौतीपूर्ण है। विधानसभा चुनावों में आने वाले परिणामों का प्रभाव ना केवल बीजेपी समर्थकों और कार्यकर्ताओं अपितु केन्द्र में मोदी सरकार के मनोबल पर भी पड़ेगा।

इसके साथ मुस्लिम मतदाताओं के प्रति पार्टी की नीति भी एक बड़ी चुनौती है। 18वीं लोकसभा के चुनाव परिणामों ने यह सिद्ध कर दिया है कि केन्द्र सरकार की सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति को मुस्लिम मतदाताओं ने नकार दिया है। इसके अलावा केन्द्र सरकार और पीएम मोदी के पसमांदा मुसलमानों को प्राथमिकता देना भी बीजेपी के समर्थक वर्ग को पसंद नहीं आया। तो बीजेपी को अपने नए अध्यक्ष के कार्यकाल में इस पहेली को भी हल करना ही होगा।

बीजेपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उसके वैचारिक मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ संबंधों को लेकर है। राजनीतिक समीक्षक का कहना हैं कि जिस तरह बीजेपी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि अब बीजेपी को संघ की जरूरत नहीं, उसका असर कार्यकर्ताओं पर पड़ा। इससे कई कार्यकर्ता जो संघ के स्वयंसेवक भी हैं वो

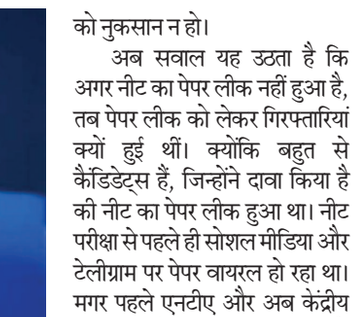

निराश हो गए। यह परिस्थिति भी चिंतित करने वाली है। यह बात अलग है कि पीएम मोदी भी स्वयंसेवक व प्रचारक रहे हैं। नड्डा भी संघ के आनुशांगिक संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से काम करते करते यहां तक पहुंचे हैं। इसलिए बीजेपी को एक ऐसे व्यक्ति अध्यक्ष बनाना होगा जो इन चुनौतियों से निपटते के लिए अन्य राजनीतिक दलों को हाशिए पर ढ़केल सके।

पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका और न्यूजीलैंड के लिए सुपर-8 की राह नहीं आसान

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। बुधवार को भारत की अमेरिका पर सात विकेट से जीत के बाद पाकिस्तानी फैंस को खुश होने का मौका मिल गया। ग्रुप ए के एक अहम मैच में भारत ने 111 रनों का पीछा करते हुए अमेरिका को मात दी। इसके साथ ही टीम इंडिया ने सुपर 8 के लिए क्वॉलीफाई कर लिया है। लेकिन अब पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका और न्यूजीलैंड जैसी टीमें अभी भी अगले दौर के लिए कैसे क्वालीफाई कर सकती हैं।

कैसे पार होगी पाकिस्तान की नैया?

अमेरिका पर भारत की जीत ने पाकिस्तान के लिए क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाओं को काफी हद तक बढ़ा दिया है। बता दें कि कनाडा पर जीत के बाद पाक नेट रन रेट 0.191 हो गया था। जिससे उनके आगे बढ़ने की संभावना है, अगर वे आयरलैंड को हरा देते हैं और यूएसए अपने बचे मैच हार जाता है तो पाकिस्तान क्वालीफाई कर जाएगा। अगर आयरलैंड के खिलाफ मैच में बारिश के कारण मैच रद्द हुआ तो पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप के दौड़ से बाहर हो जाएगा।

इंग्लैंड का सुपर-8 का सफर

ग्रुप बी में इंग्लैंड की स्थिति भी पाकिस्तान की तरह बनी हुई है। ये टीम भी इस समय दूसरी टीमों पर निर्भर है। इंग्लैंड को ओमान और नामीबिया के खिलाफ अपने आखिरी दो मैच जीतने की जरूरत है और उम्मीद है कि स्कॉटलैंड 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी मैच हार जाए। तो इस तरह इंग्लैंड सुपर-8 के लिए क्वॉलीफाई कर लेगी।

श्रीलंका के लिए सफर मुश्किल

बांग्लादेश के खिलाफ मिली श्रीलंका को मामूली हार ने उनसको सुपर-8 में एंट्री करने के लिए काफी हद तक प्रभावित किया है। अब अपनी लाज बचाने के लिए श्रीलंका को नेपाल और नीदरलैंड के खिलाफ अपने शेष मुकाबलों में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी और उम्मीद करनी होगी कि बांग्लादेश अपने शेष दो मैचों में कम से कम एक मैच हार जाए।

न्यूजीलैंड की राह असंभव

न्यूजीलैंड को आज वेस्टइंडीज के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा। इससे न्यूजीलैंड का नेट रन रेट 2.425 पर पहुंच गया है। जिसके बाद वेस्टइंडीज ने सुपर-8 का टिकट कटवा लिया है। जबकि अफगानिस्तान का नेट रन रेट 5.225 गया है। उसने अपने दोनों मैच कंबाइंड टोटल 209 रनों से जीते हैं, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान दोनों ने युगांडा को 120 से ज्यादा रनों से हराया है। यहां से न्यूजीलैंड का क्वालीफिकेशन का रास्ता बहुत मुश्किल लग रहा है।

सरवनन को पेरिस ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नौकाचालक विष्णु सरवनन को आगामी पेरिस ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। सरवनन ने इस साल की शुरू में ऑस्ट्रेलिया में हुई आईएलसीए 7 पुरुष विश्व चैम्पियनशिप में जीत के साथ ही दूसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। पिछली बार हुए टोक्यो ओलंपिक में वह बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। सरवनन ने कहा, ''टाक्यो में मैं निर्भीक होकर खेला था। वो मेरा पहला ओलंपिक था तो मुझे इसी कारण परिणाम की अधिक चिन्ता नहीं थी और मेरा ध्यान अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर था।'' वह पिछले एक महीने से मार्सेल में साइप्रस के पावलोस कोंटाइड्स और क्रोएशिया के रियो टोन्सी स्टिपनोविच के साथ अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मुझे ओलंपिक स्थल में ट्रेनिंग लेने का मौका मिला और मेरे साथ ओलंपिक पदक जीतने वाले खिलाड़ी शामिल हैं।''

साथ ही कहा ऑस्ट्रलिया में हुई आईएलसीए में वह अनुभवी नौकाचालकों के होने के बाद भी दबाव में नहीं आने के कारण बेहतर प्रदर्शन कर पाये थे। उन्होंने कहा, ''इस दौरान मैंने पाया कि आप अनुभवी खिलाड़ियों से अपने को कम नहीं आंक सकते। आपको उस स्तर तक जाना होगा जिसमें आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें और उसको देखा जाये तो मेरे में सुधार आया है।।'' उन्होंने कहा, '' मैं आत्मविश्वास से भरा था और मैं हार नहीं मानने के जज्बे से खेल रहा था तो मैं उन्हें हराना चाहता था।''

रोहित शर्मा ने आईसीसी टूर्नामेंट में बनाया नया रिकॉर्ड, सौरव गांगुली को इस मामले में पछाड़ा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने पहले तीन लीग मैच जीतकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 में जगह बना ली है। टीम इंडिया ने तीसरे लीग मैच में सह मेजबान यूएसए की टीम को 7 विकेट से हराकर ये कामयाबी अपने नाम की है। इस मैच में भारत की स्थिति तक खराब हो गई थी तब शुरुआती 3 विकेट 39 रन पर गिर गए, इसके बाद सूर्यकुमार यादव (50) और शिवम दुबे (31) ने भारतीय टीम की नैया को पार लगाया।

टीम इस जीत के साथ ही सुपर-8 में पहुंच गई है। वहीं इस जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 टूर्नामेंट में बतौर कप्तान सौरव गांगुली का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा आईसीसी टूर्नामेंट जीतकर गांगुली को पछाड़ दिया है। हालांकि, वो एमएस धोनी से अभी भी पीछे हैं। अमेरिका के खिलाफ रोहित शर्मा ने 3 रन, विराट कोहली गोल्डन डक पर आउट हुए और पंत ने 18 रन की पारी खेली।

इस मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया और फिर अर्शदीप सिंह की रिकॉर्ड गेंदबाजी के दम पर मेजबान यूएसए की टीम को 20 ओवर में 8 विकेट पर 110 रन रोक दिया। अर्शदीप ने 4 ओवर में 9 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि हार्दिक पंड्या 2 विकेट झटके।

बतौर कप्तान रोहित शर्मा का आईसीसी टूर्नामेंट में ये 17वीं जीत थी। रोहित ने अब तक 20 मैचों में कप्तानी की है जिसमें ये उनकी 17वीं जीत थी और उन्होंने सौरव गांगुली को पीछे छोड़ दिया है। गांगुली ने आईसीसी टूर्नामेंट में भारत के लिए 22 मैचों में कप्तानी करते हुए 16 मैच जीते थे और अब रोहित उनसे आगे निकल गए हैं।

वहीं इस मामले में एमएस धोनी काफी आगे हैं जिन्होंने बतौर भारतीय कप्तान 58 मैचों में कप्तानी की थी और 41 मैचों में जीत हासिल की थी। रोहित दूसरे नंबर पर जरूर आ गए, लेकिन धोनी को पीछे छोड़ना उनके लिए काफी कठिन होगा क्योंकि वो अपने क्रिकेट करियर के आखिरी दौर में चल रहे हैं। आने वाले वक्त में वो कितने आईसीसी टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करेंगे और ये कहना कठिन है साथ ही 41 जीत तक पहुंचना काफी मुश्किल ही लग रहा है।

सुपर आठ में 20 जून को वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान से खेल सकती है भारतीय टीम

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय टीम अमेरिका के खिलाफ जीत के साथ ही टी20 विश्वकप के सुपर आठ में पहुंच गयी है। यहां उसका पहला मुकाबला 20 जून को वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान से हो सकता है। इसके बाद उसके मुकाबले 22 और 24 जून को होंगे।

भारतीय टीम तीनो ही मैच जीतकर छह अंक लेकर ग्रुप ए में शीर्ष पर है। भारतीय टीम ने अबतक आयरलैंड, पाकिस्तान, और अमेरिका को हराया है अब उसका अंतिम मुकाबला कनाडा से होगा। सुपर-8 के मुकाबले 19 जून से शुरू होंगे। सुपर 8 की 8 टीमों को दो ग्रुप (1 और 2) में रखा गया है। ग्रुप-1 में ए1, बी2, सी1, डी2 को रखा गया है। वहीं ग्रुप-2 में ए2, बी1, सी2 डी1 को रखा गया है। भारतीय टीम ग्रुप ए में 6 अंक के साथ पहले नंबर पर है और वह इसी पर रहेगी क्योंकि उसका नेट रनरेट 1.137 है। वहीं अमेरिका के 4 अंक और उसका नेट रनरेट 0.127 है। अब अगर अमेरिका 100 से ज्यादा रन से जीत लेती है तो भी वह रट के मामले में भारत को पीछे नहीं छोड़ सकती। आईसीसी के कार्यक्रम के अनुसार ए1 टीम के सुपर-8 में तीन मुकाबले क्रमश- 20, 22 और 24 जून को होंगे। इस हिसाब से भारत का 20 जून को वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान (सी1) से मुकाबला हो सकता है। भारतीय टीम 22 जून को श्रीलंका या नीदरलैंड (डी2) से खेल सकती है। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप डी में है और ये तय है कि दक्षिण अफ्रीका ही ग्रुप स्टेज खत्म होने पर नंबर-1 पर रहेगी।

उसका ग्रप डी में अंतिम मुकाबला नेपाल से है। भारतीय टीम 24 जून को ग्रुप बी में दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम से खेल सकती है। ऐसे में भारतीय टीम का मुकाबल स्कॉटलैंड या इंग्लैंड से हो सकता है। इस ग्रुप में अभी ऑस्ट्रेलिया 6 अंक के साथ पहले नंबर पर है। वहीं स्कॉटलैंड 5 नंबर के साथ दूसरे जबकि नामीबिया 2 नंबर के साथ तीसरे और इंग्लैंड 1 नंबर के साथ ही चौथे स्थान पर है। इंग्लैंड के अभी दो मैच बाकी हैं और अगर वह ये दोनों मुकाबले जीतता है और स्कॉटलैंड अपना आखिरी मैच हारता है तो ही अंक तालिका बदल सकती है, ऐसे में इंग्लैंड नंबर-2 पर पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलिया का अंतिम मुकाबला स्कॉटलैंड से है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम सुपर-8 में बी1 के तौर पर प्रवेश करेगी।

विंबलडन - एकल विजेता को मिलेंगे 27 लाख पाउंड, बजट हुआ 5 करोड़ पाऊंड

लंदन। ऑल इंग्लैंड क्लब के अधिकारियों ने गुरुवार को घोषणा की कि विंबलडन की कुल पुरस्कार राशि बढ़कर रिकॉर्ड 5 करोड़ पाउंड (लगभग छह करोड़ 40 लाख डॉलर) हो जाएगी जिसमें प्रत्येक एकल चैंपियन को 27 लाख पाउंड (34 लाख 50 हजार डॉलर) मिलेंगे। कुल इनामी राशि पिछले साल की तुलना में 53 लाख पाउंड (68 लाख डॉलर) अधिक है जो 11.9 प्रतिशत की वृद्धि है। यह 10 साल पहले इस ग्रासकोर्ट ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में प्रतियोगियों को दी गई दो करोड़ 50 लाख पाउंड (मौजूदा विनिमय दर पर 3 करोड़ 20 लाख डॉलर) से दोगुनी है। ऑल इंग्लैंड क्लब की नई अध्यक्ष डेबोरा जेवांस ने कहा कि टिकटों की मांग इस साल से अधिक कभी नहीं रही। इस साल के विजेताओं को मिलने वाली राशि में प्रत्येक वर्ग में 3,50,000 पाउंड (लगभग 4,50,000 डॉलर) की बढ़ोतरी हुई है जो 14.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। एकल के पहले दौर में हारने वाले खिलाड़ियों को 2023 में 55,000 पाउंड (70,000 डॉलर) से बढ़ाकर 60,000 पाउंड (लगभग 76,000 डॉलर) मिलेंगे। क्वालीफाइंग प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार 14.9 प्रतिशत बढ़कर 48 लाख पाउंड (लगभग 60 लाख डॉलर) हो जाएगा।

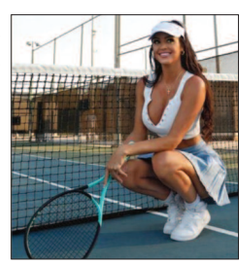

न्यूयॉर्क की पिच पर खेलना कठिन, रणजी जैसा अनुभव हुआ : शिवम

न्यूयॉर्क। ऑलराउंडर शिवम दुबे ने अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्वकप में 31 रन बनाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं अब शिवम ने कहा है कि यहां की पिच पर खेलना बेहद कठिन था। इस कारण एक समय उन्हें लगा कि जैसे वह रणजी ट्रॉफी खेल रहे हों। शिवम इससे पहले आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में विफल रहे थे। उसको लेकर शिवम ने कहा, मैं अपनी फॉर्म हासिल करने का प्रयास कर रहा था पर मेरे ऊपर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं था और सभी ने मेरा सहयोग और समर्थन किया जिससे मेरा मनोबल बढ़ा। साथ ही कहा, मुझे कभी खुद पर संदेह नहीं रहा। मुझे लगता है कि ये हालात वैसे नहीं हैं जैसे आईपीएल में थे। इसलिए यहां खेलने के लिए अलग रवैये की जरुरत है। इसलिए मैं आज अलग तरह से बल्लेबाजी कर रहा था। शिवम ने आईपीएल की अंतिम पांच पारियों में सिर्फ 36 रन बनाए थे। विश्व कप में पहले ओर दूसरे मैच में भी वह नाकाम रहे थे। उन्होंने कहा, ऐसा लगा जैसे रणजी ट्रॉफी खेल रहा हूं। साथ ही कहा कि हालात तय करते हैं कि आप यहां कैसे खेलना चाहते हैं। छक्का मारने के लिए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ शॉट खेलना होगा। आज, मैं उस अवसर का इंतजार कर रहा था। यहां आकर पहली गेंद से ही शॉट खेलना करना आसान नहीं है, इसमें समय लगाने की जरुरत रहती है। साथ ही कहा कि इन पिचों पर बल्लेबाजी करने में मजा न आया हो पर गेंदबाजी करना उन्हें निश्चित रूप से पसंद है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह इस स्थान पर अपने संघर्ष की कठिन यादों को मिटाना चाहेंगे, उन्होंने कहा, मैं इसे अपनी यादों से नहीं मिटाऊंगा क्योंकि यह मेरा पहला विश्व कप है।

टी20 विश्वकप में भाग ले रहे गॉर्डन और जॉर्डन में है कई समानताएं

न्यूयार्क (एजेंसी)। टी20 विश्वकप 2024 में अब तक वेस्टइंडीज और अमेरिका की धीमी पिचों पर गेंदबाज खासे सफल रहे हैं पर इसके बाद भी कुछ गेंदबाज ऐसे हैं जो महगे साबित हुए हैं। इसमें कनाडा के जेरेमी गॉर्डन और इंग्लैंड के क्रिस जॉर्डन हैं। इन दोनो के ही नाम एक पारी में सबसे अधिक रन देने का अनचाहा रिकार्ड है। इन दोनों ने ही अबतक 44-44 रन दिए हैं, इसके अलावा इन दोनो में कई और समानताएं भी हैं।दोनों ही 30 वर्ष से अधिक उम्र के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। गॉर्डन की उम्र 37 वर्ष है जबकि जॉर्डन की 35 वर्ष। इन दोनों ने टूर्नामेंट में दो-दो मैच खेले हैं और दो-दो ही विकेट लिए हैं।

ये दोनो ही मूल रुप से वेस्टइंडीज से हैं। गॉर्डन जहां गयाना के स्टेनले टाउन में जन्मे, वहीं जॉर्डन का जन्म बारबडोस में हुआ है। जेरेमी गॉर्डन ने अब तक 10 वनडे में 18 और 14 टी20 में 19 विकेट हासिल किए हैं। दूसरी ओर क्रिस जॉर्डन 8 टेस्ट, 35 वनडे और 92 टी20 खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में 21, वनडे में 46 और टी20 इंटरनेशनल में 100 विकेट उन्होंने लिए हैं। गॉर्डन ने पहले मैच में ही अमेरिका के खिलाफ 3 ओवर में 44 रन दे दिये जबकि इंग्लैंड के जॉर्डन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में 4 ओवरों में 44 रन लुटा दिये। ये दोनों टी20 विश्वकप 2024 में अब तक एक पारी में सबसे अधिक रन देने वाले गेंदबाज हैं। गार्डन के 3 ओवर में 44 रन बने थे, इसलिए वे नंबर वन पर हैं जबकि जॉर्डन नंबर दो पर हैं।

टी20 वर्ल्डकप में अब तक तीन गेंदबाजों ने ही अपने चार ओवर में 42-42 रन दिये हैं। इसमें कनाडा के साद बिन जफर, आयरलैंड के जोश लिटिल और उगांडा के कॉसमॉस केवुता शामिल हैं. साद ने अमेरिका के खिलाफ मैच 4 ओवर में 42 रन दिए थे। लिटिल ने भारत के खिलाफ मैच में और केवुता ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में यह रन दिए थे। वैसे टी20 वर्ल्डकप में सबसे महंगी गेंदबाजी का रिकॉर्ड श्रीलंका के सनथ जयसूर्या के नाम पर है। सनथ ने 2007 के पहले टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच में चार ओवर में 64 रन दिए थे।

इंटर मियामी मेरा आखिरी क्लब होगा : लियोनेल मेसी

अटलांटा। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी का अपने देश अर्जेंटीना के किसी क्लब से जुड़कर खेल को अलविदा कहने का कोई इरादा नहीं है और उन्होंने कहा कि इंटर मियामी उनका अंतिम क्लब होगा। अर्जेंटीना के कप्तान ने ईएसपीएन से कहा कि मुझे लगता है कि इंटर मियामी मेरा अंतिम क्लब होगा। आज की तारीख में मैं यही सोचता हूं कि यह मेरा अंतिम क्लब होने जा रहा है। मेसी अमेरिका में अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ कोपा अमेरिका की तैयारी कर रहे हैं। अर्जेंटीना इस टूर्नामेंट का पिछला चैंपियन है। मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना ने 2022 में कतर में विश्व कप जीता था। बार्सिलोना के पूर्व स्टार मेसी का इंटर मियामी के साथ अनुबंध 2025 के सत्र के समापन तक है। उन्होंने कहा कि यूरोप से यहां आने का फैसला मुश्किल था। विश्व चैंपियन बनने से बहुत मदद मिली, और चीजों को अलग तरह से देखने का मौका भी मिला। लेकिन मैं इस बारे में नहीं सोचता। मैं खेल का आनंद लेने का प्रयास करता हूं। अर्जेंटीना के कई प्रशंसकों को उम्मीद थी कि मेसी अपने पहले क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज की तरफ से खेलकर अपने करियर का अंत करेंगे।

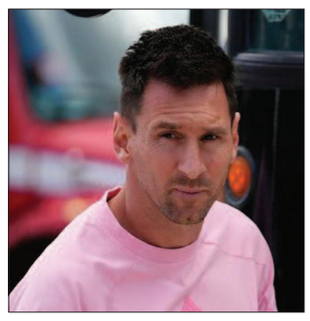

शहजाद ने बाबर आजम पर सवाल उठाये: निचले स्तर की टीमों के खिलाफ रन बनाकर लोगों को भ्रम में डाला

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम टी20 क्रिकेट विश्व कप में अपनी खराब कप्तानी के कारण पूर्व क्रिकेटरों के निशाने पर हैं। कई पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें कप्तानी छोड़कर अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने को कहा है। विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका जैसी नई टीम से हारने के बाद से ही आजम की मुश्किलें बढ़ गयीं थी। वहीं भारत से हार के बाद तो उनके आलोचक और मुखर हो गये हैं। पाक टीम को कनाडा के खिलाफ मिली जीत के दौरान भी खासा संघर्ष करना पड़ा है और उसपर सुपर आठ से बाहर होने की तलवार लटकी हुई है। इसी सब के बीच ही बल्लेबाज अहमद शहजाद ने भी उन्हें आड़े हाथों लिया है।

शहजाद का कहना है कि ऐसे किंग का क्या किया जाये जो किसी काम का नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ अहम मुकाबले में जीत के करीब पहुंचने के बाद भी पाक टीम के खिलाड़ी दबाव नहीं झेल पाए और ऐसे अहम मैच में कप्तान बाबर एक अच्छा स्कोर नहीं बना पाये। उनकी कप्तानी भी मैच में बेहद लचर नजर आयी। शहजाद ने कहा कि अगर बाबर टीम के लिए मैच नहीं जीत सकते तो ऐसे किंग का कोई फायदा नहीं है। शाहजाद ने एक शो के दौरान कहा कि उन्होंने निचले स्तर की बी, सी और डी टीमों के खिलाफ रन बनाकर लोगों को गुमराह किया है। खेल को विकसित करने के लिए पीसीबी ने उनका वेतन बढ़ाया था, पर उन्होंने ये पैसा पैसा छवि निर्माण के लिए लगा दिया। शहजाद ने बड़े मैचों में बाबर आजम के औसत और स्ट्राइक रेट पर सवाल उठाए और कहा कि वह बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में अपने स्कोर, अपने आंकड़े, अपने औसत और अपने स्ट्राइक रेट को देखें। बाबर कहां है ये सभी को नजर आ जाएगा।

यूरो कप 2024 में अहम भूमिका निभाएंगे रोनाल्डो : छेत्री

–लय में आने पर हो जाते हैं बेहद खतरनाक

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जितना खतरनाक कोई अन्य खिलाड़ी नहीं हैं। छेत्री के अनुसार यूरो कप 2024 में भी रोनाल्डो अहम भूमिका निभाएंगे। 39 साल के रोनाल्डो ने नवंबर 2023 के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय गोल नहीं किया है। इसके बाद भी छेत्री का कहना है कि रोनाल्डो जैसा कोई और नहीं है। छेत्री ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रोनाल्डो अधिक से अधिक मैच खेलेंगे। मैं उन्हें खेलते हुए देखना पसंद करूंगा। हो सकता है कि वह शुरुआत में तेजी से नहीं खेल पायें पर एक बार लय में आने के बाद उनके जैसा खतरनाक खिलाड़ी दूसरा कोई नहीं है। पुर्तगाल की टीम कई स्टार खिलाड़ियों से भरी है। साथ ही कहा कि वे गेंद को अपने पास रखने में बहुत अच्छे हैं, अधिकतर वे विरोधी टीम पर हावी रहते हैं। उनके पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसलिए वे रोनाल्डो को बेंच पर भी रख सकते हैं। हाल में खेल को अलविदा कहने वाले छेत्री ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि कोच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का चयन करेगा पर रोनाल्डो का होना हमेशा ही टीम को बढ़त देता है। वो एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैदान पर जब भी मौका मिलता है तो उस अवसर को गोल में बदलने की क्षमता रखते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि एक प्रशंसक के तौर पर, जिसने पिछले 20 सालों में उनसे बहुत कुछ सीखा है, मुझे उम्मीद है कि हम उन्हें मैदान पर और भी ज्यादा समय तक देख पाएंगे। छेत्री को यूईएफए यूरो 2024 के लिए विशेषज्ञ पैनल में

बेहतर बल्लेबाज भी बनना चाहता हूं, जीत के बाद बोले अर्शदीप सिंह

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह इन दिनों अपनी गेंदबाजी से कहर बरपा रहे हैं लेकिन वह इतने से ही संतुष्ट नहीं हैं और निचले क्रम का विश्वसनीय बल्लेबाज बनना चाहते हैं जिसके लिए बल्लेबाजी को विक्रम राठौर के साथ कड़ी मेहनत भी कर रहे हैं। अर्शदीप ने अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में 9 रन देकर चार विकेट लिए और भारत की सात विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत की यह लगातार तीसरी जीत है जिससे उसने अंतिम आठ में अपनी जगह सुरक्षित की।

अर्शदीप ने मैच के बाद कहा, 'हम हमेशा कुछ नया सीखने का प्रयास करते हैं। हम सभी विभागों फिर चाहे वह गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी या फिर क्षेत्ररक्षण, में बेहतर बनने का प्रयास करते हैं क्योंकि आप नहीं जानते कि टीम को कब आपसे कुछ रन की जरूरत पड़ जाए।' उन्होंने कहा, 'यह दो या चार रन भी हो सकते हैं। इसलिए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। जहां तक मेरी बल्लेबाजी का सवाल है तो मैं विक्रम भाई के साथ जितना संभव हो कड़ी मेहनत करने की कोशिश करता हूं।'

अर्शदीप ने पाकिस्तान के खिलाफ 9 जून को नौवें नंबर के बल्लेबाज के रूप में उतरकर 13 गेंद पर नौ रन की उपयोगी पारी खेली थी। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि उस मैच में उन्होंने ही जसप्रीत बुमराह से पहले बल्लेबाजी के लिए उतारने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा, 'जस्सी भाई को मुझसे पहले बल्लेबाजी के लिए उतरना था लेकिन मैं रोहित (शर्मा) से पूछकर पहले गया। वह इससे हैरान थे लेकिन मैंने उनसे कहा कि आप कुछ भी कहो मैं पहले बल्लेबाजी के लिए जाऊंगा। मुझे अपनी बल्लेबाजी पर पूरा विश्वास है। फिर चाहे फील्डिंग हो या गेंदबाजी आप बेहतर बनने की कोशिश करते हैं।'

अर्शदीप ने टूर्नामेंट के बारे में कहा कि परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत को ग्रुप ए का अपना अंतिम मैच कनाडा के खिलाफ फ्लोरिडा के लाडरहिल में खेलना है। इसके बाद टीम सुपर 8 के मैच खेलने के लिए वेस्टइंडीज जाएगी। अर्शदीप ने कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण यह कि आप परिस्थितियों से कैसे तालमेल बिठाते हैं। अगर विकेट से गेंदबाजों को मदद मिल रही हो तो हम शुरू में विकेट लेने की कोशिश करते हैं और अगर हम पहले बल्लेबाजी करते हैं तो अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास करते हैं ताकि गेंदबाजों को बड़े लक्ष्य का बचाव करने को मिले।'

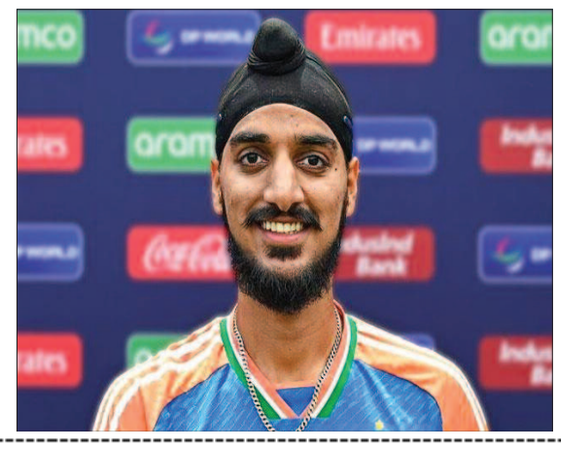

समाचार गेट
TITLE CODE: HARHIN11549
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना वाधवा द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर-6 नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, गिरि सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक, कृष्ण शर्मा। समाचारीय कार्यालय: मकान नंबर 2, गिरि सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: जगदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : samachargate@gmail.com

मृणाल ठाकुर के तमिल डेब्यू की राह तक रहे फैंस को झटका

मृणाल ठाकुर को लेकर बीते दिन एक खबर सामने आई जिसने उनके फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया। रिपोर्ट थी कि हिंदी, मलयालम और तेलुगु के बाद अब वह अपने तमिल डेब्यू के लिए कमर कस रही हैं। रिपोर्ट में तो ये भी दावा किया गया था कि अभिनेत्री राघव लॉरेंस की फिल्म कंचना 4 का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि, अब इन अफवाहों पर खुद अभिनेता निर्देशक राघव लॉरेंस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिससे अभिनेत्री के फैंस को तगड़ा झटका लगना लाजमी है। बीते दिनों ये खबर तेजी से फैल रही थी कि हॉरर कॉमेडी फ्रेंचाइजी कंचना के चौथे भाग के लिए मृणाल से संपर्क किया गया है। हालांकि, ये सारी खबरें अफवाह साबित हुई हैं। इस फ्रेंचाइजी का अहम हिस्सा रहे अभिनेता और निर्देशक राघरव लॉरेंस ने खुद इस पर जानकारी दी है। उन्होंने अपने ट्वीटर अकाउंट पर ट्वीट कर कंचना 4 की कास्टिंग से जुड़ी सभी खबरों को अफवाह बताया है। उन्होंने लिखा, नमस्कार दोस्तों और प्रशंसकों, कंचना 4 की कास्टिंग के बारे में सोशल मीडिया पर चल रही सभी जानकारी सिर्फ अफवाहें हैं। राघवेंद्र प्रोडक्शन के जरिए आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

हॉरर कॉमेडी फ्रैंचाइजी है कंचना

राघव लॉरेंस की कंचना फ्रेंचाइजी पिछले कुछ सालों में व्यावसायिक रूप से काफी सफल रही है। इसकी हर फिल्म में हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का देखने को मिला है। कंचना तमिल भाषा की बेहद सफल हॉरर कॉमेडी फ्रैंचाइजी है। कंचना को मुनि के नाम से भी जाना जाता है। मुनि साल 2007 में रिलीज हुई थी। फिल्म में राघव लॉरेंस, सरथकुमार, लक्ष्मी राय आदि कलाकार नजर आए थे।

कंचना 4 पर टिकीं सबकी नजरें

मुनि के बाद इस का अगला भाग मुनि 2 साल 2011 में रिलीज हुआ था। इसे कंचना 2 के नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद इस फ्रेंचाइजी की तीसरी कड़ी कंचना 3 साल 2019 में रिलीज हुई थी, जिसने 100 करोड़ से भी ज्यादा की कमाई की थी। अब निर्माता इसके अगले भाग यानी कंचना 4 के लिए कमर कस रहे हैं, जिससे जुड़ने वाले सितारों के नाम का अभी अधिकारिक एलान होना बाकी है।

जन्नत जुबैर ने टीवी शो फुलवा की वापसी की जताई इच्छा

लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आने वाली एक्ट्रेस जन्नत जुबैर ने छोटे पर्दे के प्रतिष्ठित शो फुलवा में वापसी की इच्छा जताई है। 22 वर्षीय एक्ट्रेस जन्नत ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत सामाजिक नाटकों में एक बाल कलाकार के रूप में की थी, जिसमें 2010 का शो काशी - अब ना रहे तेरा कागज कोरा और 2011 में प्रसारित फुलवा शामिल है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह चाहेंगी कि फुलवा फिर से स्क्रीन पर आए, तो जन्नत ने कहा- क्यों नहीं? ये शो काफी अच्छा है। इतने सालों बाद लोग आज भी बालिका वधू, ना आना इस देस लाडो और फुलवा के बारे में बात करते दिखाई देते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि आज भी लोग उन्हें उनके किरदार फुलवा के नाम से बुलाते हैं। उन्होंने कहा, लोग आज भी मुझे फुलवा के नाम से जानते हैं, जो इस बात का सबूत है कि यह शो आज भी कितना प्रभावशाली है। लगभग 12-13 साल हो गए हैं। मुझे उम्मीद है कि ऐसे शो बनाए जाएंगे। लेकिन अगर फुलवा 2 या बालिका वधू 2 बनता है, तो मुझे लगता है कि प्रशंसक और लोग फिर से क्रेजी हो जाएंगे। फुलवा मध्य प्रदेश के मुरैना के पास चंबल के जंगल की पृष्ठभूमि पर आधारित शो था। इसमें फूलन देवी के जीवन की कहानी दिखाई गई है। कहानी भारत के एक डाकू-प्रभावित इलाके में रहने वाली एक गांव की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है। जन्नत ने भारत का वीर पुत्र - महाराणा प्रताप और तू आशिकी जैसे शो में भी काम किया है। वह रानी मुखर्जी अभिनीत हिचकी में दिखाई दी थीं। उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 12 में भाग लिया। 2022 में उन्होंने मीडिया, मार्केटिंग और विज्ञापन श्रेणी में फोर्ब्स 30 अंडर 30 सूची में भी जगह बनाई।

कोटा फैक्ट्री 3 से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं जितेंद्र कुमार

पंचायत 3 के बाद अब जितेंद्र कुमार कोटा फैक्ट्री के तीसरे सीजन के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। हाल ही में उन्होंने मजेदार अंदाज में सीरीज की रिलीज की तारीख से पर्दा उठाया था। वहीं अब निर्माता इस सीरीज का ट्रेलर रिलीज करने की योजना बना चुकी है, जिसे लेकर उन्होंने सोशल मीडिया पर बड़ा एलान किया है। इसके साथ ही उन्होंने ट्रेलर की रिलीज से की भी घोषणा की। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने ट्रेलर की घोषणा करने के लिए रोमांचक सीरीज का एक पोस्टर साझा किया। इसके साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा, इसे अपने टाइम टेबल में रखें। कोटा फैक्ट्री सीजन 3 का ट्रेलर कल रिलीज होगा। निर्माताओं ने खुलासा करते हुए बताया कि ट्रेलर मंगलवार, 11 जून को रिलीज होगा। जैसे ही यह खबर साझा की गई, प्रशंसकों ने अपनी उत्सुकता दिखाने के लिए कमेंट सेक्शन में बाढ़ ला दी। एक यूजर ने लिखा, जीतू भैया का इंतजार कर रहा हूं। दूसरे यूजर ने टिप्पणी की, सचिव जी, जीतू भैया इमोशन। हाल ही में निर्माताओं ने घोषणा की कि कोटा फैक्ट्री का तीसरा सीजन 20 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगा। रिलीज की तारीख की घोषणा से पहले जीतू भैया उर्फ जितेंद्र कुमार ने दिलचस्प वीडियो के साथ प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाया था। वीडियो में जितेंद्र ने प्रशंसकों को कोटा फैक्ट्री सीजन 3 की रिलीज की तारीख के बारे में चिढ़ाते हुए सुराग ढूंढने के लिए कहा और एक गणित का समीकरण दिया, जिसे डिकोड करने के लिए कहा गया। उन्होंने वीडियो में कहा था, मैं जल्द ही आ रहा हूं और कोटा फैक्ट्री सीजन 3 भी। तारीख नोट कर लें। कोटा फैक्ट्री सीजन 3 जून में रिलीज हो रही है... मैं इतनी आसानी से नहीं बताऊंगा। पहले इसे हम कीजिए।

दिखावा करने वाले सितारों पर नाराज हुई उर्फी!

अभिनेत्री और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर उर्फी जावेद ना सिर्फ अतरंगी पोशाक पहनने के लिए जानी जाती हैं, बल्कि वह खुलकर बेबाकी से अपनी बातों को भी रखती हैं। यही वजह है कि वह अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी-कभी उर्फी को ट्रोल भी होना पड़ता है। वहीं, नेटिजन्स कई बार उनकी पोशाक की रचनात्मकता को लेकर उनकी तारीफ भी करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब उर्फी जावेद की एक वीडियो क्लिप वायरल हो रही है, जिसमें उर्फी बॉलीवुड सितारों को लेकर तंज कसती हुई नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उर्फी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि बॉलीवुड के मशहूर सितारे दर्शकों से जुड़ने के लिए खुद को मिडिल क्लास जैसा बताते हैं।

खुद को मिडिल क्लास जैसा दिखाने वालों पर कसा तंज

एक साक्षात्कार में उर्फी ने अपनी निराशा जताते हुए कहा, 'जब अमीर हस्तियां यह दिखावा करती हैं कि उनका पालन-पोषण बहुत ही मध्यमवर्गीय, गरीब परिवार में हुआ है, तो यह मुझे अंदर तक परेशान कर देती है। हम जानते हैं कि तुम अमीर थे।' उर्फी ने तंज कसते हुए कहा, हम बिल्कुल मिडिल क्लास थे, हमने कभी फर्स्ट क्लास फ्लाई नहीं किया, हम इकॉनमी में फ्लाई करते थे। हमने प्लेन नहीं देखा था यार, तुम कैसी बातें कर रहे हो।'

राजकुमार को मिला स्टार ऑफ द ईयर का तमगा

'स्त्री', 'लव सोनिया', 'फाइव वेडिंग्स', 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा', 'जजमेंटल है क्या', 'मेड इन चाइना', 'शिमला मिर्ची', 'रूही', 'हम दो हमारे दो', 'बधाई दो', 'हिट द फर्स्ट केस' और 'भीड़', इन एक दर्जन हिंदी फिल्मों में एक चीज हर फिल्म में कॉमन है और वह है इसके हीरो राजकुमार राव। डबल एम वाले राजकुमार की इन 12 फिल्मों में सिर्फ 'स्त्री' को ही बॉक्स ऑफिस पर सफलता मिली और उसके बाद रिलीज हुई 11 फिल्में कतार से टिकट खिड़की पर फ्लॉप रहीं। ये आंकड़ा बीते साल तक का है। अब टी सीरीज के प्रबंध निदेशक भूषण कुमार ने आधा साल बीतने से पहले ही साल 2024 को राजकुमार का साल बता दिया है। उनके इस दावे में कितना दम है, आइए जानने की कोशिश करते हैं। साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'स्त्री' के समय 34 साल के रहे राजकुमार राव आने वाले अगस्त में 40 साल के हो जाएंगे। फिल्म 'स्त्री' की सीक्वल 'स्त्री 2' राजकुमार के जन्मदिन 31 अगस्त से ठीक एक दिन पहले रिलीज होना प्रस्तावित है। लेकिन, बड़ा सवाल यहां ये है कि 'स्त्री' से लेकर 'स्त्री 2' तक के छह साल के अंतराल में क्या राजकुमार राव के नाम एक भी हिट का तमगा नहीं बंधने वाला? राजकुमार राव का जनसंपर्क देखने वाली एजेंसी की तरफ से जारी बयान को सच मानें तो इस साल रिलीज हुई राजकुमार राव की दोनों फिल्में 'श्रीकांत' और 'मिस्टर एंड मिसेज माही' हिट हो चुकी हैं। इस गणना पर राजकुमार राव की टीम कैसे पहुंची? ये उनकी टीम को भी नहीं पता है।

बस बहुत हो गया अब नेगेटिव रोल नहीं करूंगी!

टीवी की महशूर अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। कसौटी जिंदगी की में कोमोलिका बन उन्होंने दर्शकों के दिलों में अपने लिए एक खास जगह बनाई है। वे अपनी इस यात्रा से खुश और संतुष्ट दोनों हैं, लेकिन अब वे अपने करियर में कुछ नया करना चाहती हैं। वे कुछ नया करके दर्शकों को अपने अभिनय कौशल से चकित कर देना चाहती हैं। चलिए जानते हैं कि उर्वशी ढोलकिया ने अपने एक नए इंटरव्यू में क्या कुछ कहा है। आज से लगभग 15 साल पहले उर्वशी ढोलकिया ने कोमोलिका के किरदार को निभाया था, लेकिन आज भी दर्शक उन्हें उसी किरदार के नाम से पहचानते हैं। हाल ही में एक इंरटव्यू के दौरान अभिनेत्री ने कहा, मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि दर्शकों को अब भी मेरा वह किरदार याद है। ऐसा काफी कम बार ही देखने को मिलता है, लेकिन अब मैं कुछ अलग और नया करना चाहती हूं। कोमोलिका के आगे भी एक दुनिया है।

उर्वशी ढोलकिया अपनी बात को बढ़ाते हुए कहती हैं, देखिए रेखा जी ने उमराव जान में बेहतरीन अभिनय किया था तो इसका ये मतलब हुआ कि उसके बाद वे केवल उमराव जान जैसी ही भूमिकाएं निभाएंगी। यह गलत है। मैं अब निगेटिव रोल नहीं करना चाहती हूं। मैं कुछ अलग और नया करना चाहती हूं। मुझे जब भी कोई वही घिसा-पीटा रोल ऑफर करते हुए कहानी सुनाता है तब मैं सोचती हूं इसमें क्रिएटिविटी कहां है। कहां हैं क्रिएटिव लेखक और निर्देशक जो कुछ नया करना चाहते हैं।

उर्वशी ढोलकिया इन दिनों टीवी शो पुष्पा इम्पॉसिबल में नजर आ रही हैं। इस शो में वे एक वकील की भूमिका निभा रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि दर्शक उन्हें कुछ अलग करते हुए देखकर खुश होंगे और उन्हें सराहेंगे। अभिनेत्री इस विषय में बात करते हुए कहती हैं, मैं खुश हूं और आभारी हूं कि निर्माताओं ने कम से कम मेरे बारे में एक अलग नजरिए से सोचा और मुझे एक सकारात्मक किरदार निभाने का मौका मिला। मैं जानती हूं रातों-रात चमत्कार नहीं हो सकता है, लेकिन लोग अब मुझे देवी सिंह के नाम बुलाने लगे हैं। छोटी ही सही, लेकिन ये मेरे लिए नई शुरुआत है।

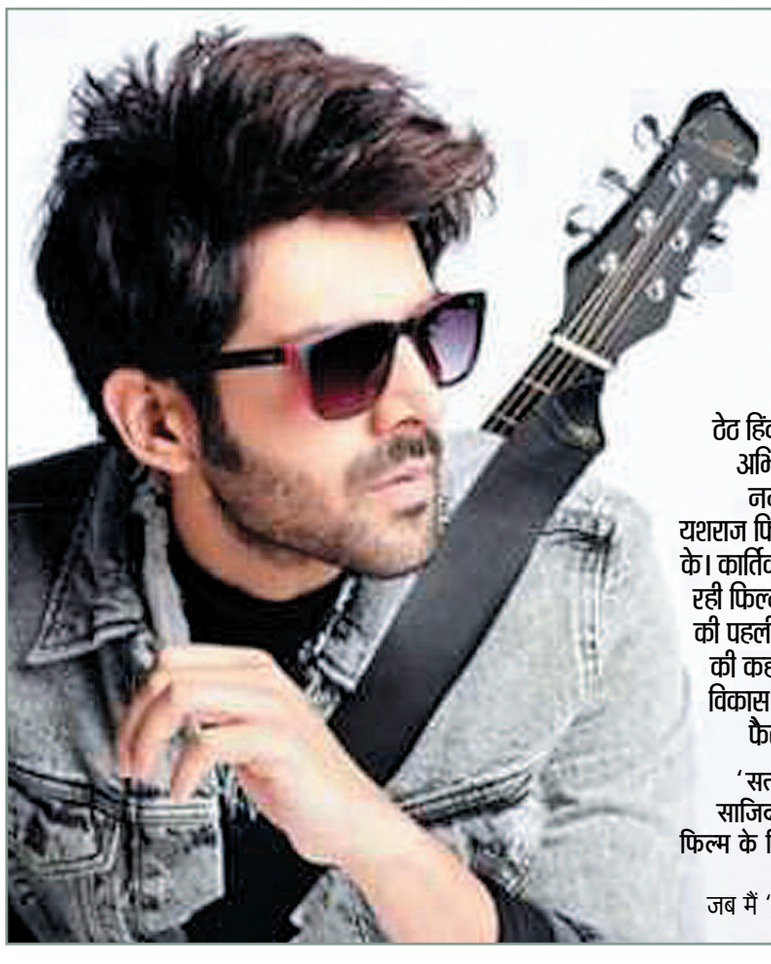

उन्होंने मुझे करियर की पहली फिल्म, पहली हिट दी, उनकी एक आवाज पर मैं हाजिर मिलूंगा

ठेठ हिंदी पट्टी से आए कार्तिक आर्यन नई सदी के ऐसे पहले अभिनेता हैं जो उत्तर भारत से आए और मुंबई की फिल्म नगरी में सुपरस्टार बनकर छा गए। और, वह भी बिना यशराज फिल्म्स या धर्मा प्रोडक्शन्स की किसी फिल्म के सहारे के। कार्तिक आर्यन का एक बड़ा इम्तिहान इस हफ्ते रिलीज हो रही फिल्म 'चंदू चैंपियन' में होने वाला है। यह उनके करियर की पहली बायोपिक है। पैरालंपिक चैंपियन मुरलीकांत पेटकर की कहानी पर बनी इस फिल्म के बारे में, अपने व्यक्तिगत विकास और गॉसिप के सहारे सुर्खियों से दूर रहने के अपने फैसले के बारे में कार्तिक आर्यन ने खास बातचीत की।

'सत्यप्रेम की कथा' के बाद फिल्म 'चंदू चैंपियन' निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ आपकी दूसरी फिल्म है। इस फिल्म के लिए आपने कहानी को हां की या फिर निर्दशक कबीर खान के नाम को?

जब मैं 'सत्यप्रेम की कथा' की शूटिंग कर रहा था उसी दरम्यान कबीर खान मुझे एक कहानी सुनाने के लिए मिले थे। जो कहानी उन्होंने मुझे सुनाई, उसने मेरे होश उड़ा दिए। मैं ऐसा हो गया कि ये कहानी सच्ची कहानी कैसे हो सकती है? इस पर यकीन करना मुश्किल था लेकिन ये सच है और सब तथ्यों पर आधारित है। आश्चर्य मुझे ये भी हुआ कि इतने वक्त तक ये कहानी बाहर क्यों नहीं आई और लोगों को इस कहानी के बारे में अब तक पता क्यों नहीं है?

लेकिन बहुत मशहूर लोगों की बायोपिक करना भी बहुत मुश्किल होता है। जिनके बारे में पता न हो तो उन किरदारों की कहानियां कर रहे कलाकारों से उतनी उम्मीदें नहीं होतीं..

मेरी पहली बायोपिक है तो मुझे ये पता नहीं कि इन दोनों परिस्थितियों का अंतर कैसा होता है। मैंने जो 'चंदू चैंपियन' के लिए किया, वह मेरे लिए बहुत ज्यादा मुश्किल रहा है। मुझे तमाम ऐसे हुनर सीखने पड़े जिनके पास से भी मैं जिंदगी में नहीं गुजरा। गहरे पानी में जाना मुझे शुरू से डराता रहा है। मुक्केबाजी मैंने सपने में भी नहीं की। लंगोट पहनकर अखाड़ा उतरने की बात भी दूर की कौड़ी है। और ये सारी चीजें मैं एक साथ एक ही फिल्म में कर रहा हूं। यूं भी लगता है कि मैं 'दंगल' और 'सुल्तान' एक साथ कर रहा हूं। लेकिन, फिर ये फिल्म एक वॉर फिल्म भी है। ये फिल्म मेरे जीवन की सबसे कठिन फिल्म रही है।

और, पहली बार आप एक बार में सिर्फ एक ही फिल्म करते रहे?

हां, पहले ऐसा तब होता था जब मेरे पास फिल्में नहीं होती थीं। जब से गाड़ी थोड़ा चली है तो मैं फिल्में भी जल्दी जल्दी करता हूं। लेकिन ये पहली बार था कि जैसे ही मुझे कहानी सुनाई गई मैं तुरंत फिल्म करने को तैयार हो गया। थोड़े दिन बाद इस बात का एहसास हुआ कि ये फिल्म तो एक साथ बनेगी। तैयारी शूटिंग से साल भर पहले शुरू होगी और तब मैं कोई फिल्म नहीं कर पाऊंगा और जब शूटिंग शुरू हो जाएगी तब तो दूसरी फिल्म सोच भी नहीं पाऊंगा। मुझे समझ आया कि ये फिल्म मेरी जिंदगी के डेढ़ दो साल लेकर जाने वाली है पर मुझे इस कहानी से इतना प्यार हो चुका था कि मेरे दिमाग में कभी कोई दूसरी बात आई ही नहीं।

निर्देशक कबीर खान को यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स का संस्थापक माना जा सकता है, उन्होंने और भी बड़ी फिल्में बनाई तो जब उनके कद का कोई निर्देशक कार्तिक आर्यन के पास फिल्म लेकर आता है, तो कहीं आप उनके आभामंडल से चौंधियाते तो नहीं..?

कबीर खान जैसा निर्देशक जिसका काम उनके नाम से पहले आपके जहन में पहुंचता है, वह जब मेरे जैसे एक युवा कलाकार पर ये भरोसा करते हैं कि मैं उनका सोचा हुआ 'चंदू चैंपियन' जैसा किरदार कर सकता हूं, तो ये इस बात पर मोहर लगाता है कि मैं सही रास्ते पर हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि कबीर खान जैसे उम्दा निर्देशक मेरे पास फिल्म लेकर आएंगे और वह भी ऐसी फिल्म लेकर आएंगे जो मेरी स्थापित छवि की फिल्मों से बिल्कुल ही अलग होगी।